ज्ञानामृत

मित्र के मिलने पर पूर्ण सम्मान सहित आदर करो, मित्र के पीठ पीछे प्रशंसा करो और आवश्यकता के समय उसकी मदद अवश्य करो।

▶▶ डॉ. मनोज चतुर्वेदी

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, मंगलवार, 17 फरवरी 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 69 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

अब घर बैठे होगी रजिस्ट्री, खत्म होंगे दफ्तरों के चक्कर

प्रदेश में फेसलेस पंजीयन से पारदर्शिता और सुशासन को मिलेगा नया आधार : मोहन

मुख्यमंत्री ने साइबर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय की शुरुआत की, 75 सेवाएं हुईं ऑनलाइन

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में अब प्रॉपर्टी और अन्य दस्तावेजों की रजिस्ट्री के लिए रजिस्ट्रार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजधानी स्थित आईजी पंजीयन कार्यालय से साइबर सब-रजिस्ट्रार दफ्तर का शुभारंभ किया। इसके साथ ही प्रदेश में फेसलेस और वर्चुअल पंजीयन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। नई व्यवस्था के तहत आधार प्रमाणीकरण, वीडियो केवाईसी और ई-साइन के माध्यम से नागरिक घर बैठे दस्तावेजों का पंजीयन करा सकेंगे। पहले चरण में 75 प्रकार के दस्तावेज ऑनलाइन किए गए हैं, जिनमें ऋण पत्र, मुख्तयारनामा, खनन पट्टा, हलफनामा, पावर ऑफ अटॉर्नी और साझेदारी पत्र जैसे दस्तावेज शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फेसलेस रजिस्ट्रेशन से गलतियों में कमी आएगी और अनावश्यक औपचारिकताओं से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को दस्तावेजों पर बार-बार हस्ताक्षर और अंगूठा लगवाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, जिससे असुविधा होती थी। अब तकनीक आधारित व्यवस्था से पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि अब तक 14 लाख 95 हजार से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन हो चुका है और नई तकनीक से इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जाएगा।

पेपरलेस और कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल प्रशासनिक पारदर्शिता, शुचिता और नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 'संपदा 1.0' और 'संपदा 2.0' के बाद साइबर पंजीयन की शुरुआत तकनीक आधारित सुशासन का नया अध्याय है। अब शासन और उसके उपक्रमों के अंतरण दस्तावेज भी पेपरलेस माध्यम से पूरे होंगे। हाउसिंग बोर्ड और विकास प्राधिकरण के दस्तावेजों के लिए नागरिकों को पंजीयन कार्यालय नहीं आना पड़ेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'संपदा 2.0' को वर्ष 2025 का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार मिला है। राज्य के 55 जिलों में साइबर तहसील परियोजना लागू की जा चुकी है, जहां राजस्व बंटवारा और नामांतरण की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि साइबर पंजीयन सुविधा के माध्यम से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने इसे पारदर्शी, तेज और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में बड़ा कदम बताया।

ये दस्तावेज करा सकेंगे रजिस्टर्ड... रजिस्टर्ड लीज, पट्टा विलेख, प्रॉपर्टी एग्रीमेंट, प्रशासन बंध-पत्र, शपथ-पत्र, दत्तक ग्रहण से जुड़े दस्तावेज, बैंक गारंटी का नवीनीकरण, विक्रय प्रमाण-पत्र, वसीयत से जुड़े दस्तावेज, तलाक विलेख, क्षतिपूर्ति बंध पत्र, शेयर आवंटन पत्र सहित कई अन्य दस्तावेज फेसलेस तरीके से रजिस्टर्ड किए जा सकेंगे।

आधार, वीडियो और आईडी का मिलान जरूरी... फेसलेस रजिस्ट्री के लिए पक्षकारों को आधार नंबर देना अनिवार्य होगा। वर्चुअल प्रक्रिया के दौरान एआई सिस्टम के माध्यम से वीडियो रिकॉर्ड किया जाएगा, जिसमें पक्षकार को सिर दाएं-बाएं और ऊपर-नीचे घुमाने के निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद किसी एक पहचान पत्र- जैसे वोटर आईडी, पासपोर्ट, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस की मांग की जाएगी। एआई सिस्टम वीडियो, आधार फोटो और आईडी के फोटो का मिलान करेगा। सभी विवरण सही पाए जाने पर ही साइबर रजिस्ट्री संभव होगी।

दबावमुक्त होने की घोषणा अनिवार्य... संपदा-2.0 सॉफ्टवेयर के जरिए मिलने वाली इस फेसलेस सुविधा में पक्षकारों को यह घोषणा करनी होगी कि वे किसी दबाव में नहीं हैं और अपनी स्वेच्छा से इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के माध्यम से पंजीयन करा रहे हैं। इसके लिए पहले ई-केवाईसी और ई-साइन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

हंगामे के बीच शुरू हुआ बजट सत्र

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का विरोध, सदन की कार्यवाही स्थगित

विजय मत, भोपाल

मप्र विधानसभा के बजट सत्र की सोमवार को हंगामेदार शुरुआत हुई। कार्यवाही की शुरुआत परंपरा के अनुसार छह छंदों में 'वंदे मातरम्' के गायन से हुई, इसके बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सदन को संबोधित किया। अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में सरकार की विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और संकल्प पत्र 2023 के वादों पर अब तक हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को गति मिली है। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य, वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा और नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का जिक्र किया गया। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण और उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी उपस्थित रहे।

भागीरथपुरा त्रासदी पर विपक्ष का हंगामा

अभिभाषण के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पेयजल से हुई मौतों का मुद्दा उठाया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना संबोधन पूरा किया। राज्यपाल के सदन से प्रस्थान के बाद कार्यवाही पुन: प्रारंभ हुई। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जो भाग पढ़ा नहीं जा सका, उसे पढ़ा हुआ माना जाएगा। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

सदन में कल पेश होगा बजट

बजट सत्र 16 फरवरी से 6 मार्च तक चलेगा। 18 फरवरी को वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। इस दौरान 3478 प्रश्न, 236 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, 10 स्थगन प्रस्ताव और 41 अशासकीय संकल्प सदन में प्रस्तुत किए जाएंगे। शून्यकाल में 83 प्रश्न सूचीबद्ध हैं। पहले ही दिन के हंगामे ने संकेत दे दिया है कि आगामी दिनों में सदन में तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है।

आज की कविता...

चलो दर्द बाटें...

डॉ. दीपेंद्र पाण्डेय "उजाला"
भोपाल (मध्यप्रदेश)

जो सोया है भूखा जो रोया है भूखा,
नसीब में जिसके न रूखा न सूखा,
कटी रात जिनकी पानी ही पीकर,
चलो उनके घर पर इक रात काटें।
चलो दर्द बाटें.........

सुबह से शाम तक जिसने हल चलाया,
मेहनत पसीने से जो दिन भर कमाया,
बस भरा पेट जिसका कुछ ना बचाया,
चलो खेत में उसके एक रात काटें।
चलो दर्द बाटें.........

सर पे है जिसने बोझा उठाया,
बना दी इमारत खुद रह ना पाया,
बसाई है बस्ती है बेघर मगर वो,
चलो उसके घर का फीता तो काटें।
चलो दर्द बाटें.......

है घर में जो कैद बीसवी सदी में,
हौसले हैं जिनके हमसे भी आगे,
जो चाहती है आसमानों में उड़ना,
चलो उनके पैरों की जंजीरों को काटे।
चलो दर्द बाटें.......

है युवा जोश देखो रग रग में उनके,
है देश पहले दिल में जिनके,
तैयार हैं वो सीमाओं में लड़ने को,
हटा दें चलो उनकी राहों से काटें।
चलो दर्द बाटें......

फैली है जो आग जाति धर्म की,
मस्तिष्क में धारणा है जो भ्रम की,
दे कर मोहब्बत का पैगाम उनको,
चलो नफरतों की खाई को पाटें।
चलो दर्द बाटें.......

भिवाड़ी फैक्ट्री धमाका: 8 मजदूरों की दर्दनाक मौत चार गंभीर; अवैध पटाखा निर्माण की जांच शुरू

भिवाड़ी, एजेंसी

राजस्थान के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके ने बड़ा हादसा खड़ा कर दिया। विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री परिसर में काम कर रहे 8 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों–अनूप कुमार, जुन्नु, विवेक कुमार और मन्नू–को तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद दिल्ली एम्स रेफर किया गया है। मृतकों में से तीन की पहचान बिहार के मोतिहारी जिले के मिंटू, नितेश और सुजान के रूप में हुई है, जबकि अन्य शव बुरी तरह जल जाने के कारण उनकी पहचान डीएनए परीक्षण के बाद ही संभव हो पाएगी। जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला ने मौके का निरीक्षण करने के बाद बताया कि प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव के संकेत नहीं मिले हैं। आशंका है कि फैक्ट्री में किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ मौजूद था। एडीएम सुमिता मिश्रा के अनुसार, फैक्ट्री मालिक राजेंद्र ने यूनिट किसी तिवारी को लीज पर दी थी, लेकिन दोनों से संपर्क नहीं हो सका है। पुलिस ने फैक्ट्री के मैनेजर अभिनंदन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दसवीं बोर्ड परीक्षा आज से, पहली परीक्षा देना अनिवार्य... नई प्रणाली पर सीबीएसई ने दिया स्पष्टीकरण

पहली परीक्षा में शामिल नहीं होने पर दूसरी में नहीं मिलेगा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पहली बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होना सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। जो छात्र पहली परीक्षा में कम से कम तीन विषयों में शामिल नहीं होंगे, उन्हें अनिवार्य पुनरीक्षण श्रेणी में रखा जाएगा और वे दूसरी परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। सीबीएसई वर्ष 2026 से कक्षा 10 के लिए दो बोर्ड परीक्षाओं की नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। इसी संबंध में कुछ छात्रों और अभिभावकों ने अनुरोध किया था कि यदि कोई विद्यार्थी पहली परीक्षा में शामिल नहीं हो पाता है तो उसे सीधे दूसरी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए। बोर्ड ने इस मांग को अस्वीकार करते हुए नियमों को स्पष्ट कर दिया है।

समझें नया नियम

पहली परीक्षा में उपस्थित होना जरूरी होगा। जो छात्र तीन या अधिक विषयों में अनुपस्थित रहेंगे, उन्हें दूसरी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे विद्यार्थियों को अनिवार्य पुनरीक्षण श्रेणी में रखा जाएगा और वे अगले वर्ष फरवरी में होने वाली मुख्य परीक्षा में ही शामिल हो सकेंगे। जिन छात्रों का परिणाम कंपार्टमेंट आया है, उन्हें दूसरी परीक्षा में उसी श्रेणी के अंतर्गत बैठने की अनुमति होगी। छात्र अधिकतम तीन मुख्य विषयों में सुधार परीक्षा दे सकेंगे।

बोर्ड ने क्यों लिया निर्णय... परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि सभी छात्रों के लिए पहली परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। उत्तीर्ण और पात्र विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में प्रदर्शन सुधारने का अवसर मिलेगा।

अतिरिक्त विषय पर रोक... बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद छात्र किसी अतिरिक्त विषय की परीक्षा नहीं दे सकेंगे। सीबीएसई के इस निर्णय से परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। नई व्यवस्था से छात्रों को सुधार का अवसर मिलेगा, लेकिन पहली परीक्षा में उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

अंदरूनी कलह से केरल चुनाव में जीत मिलना मुश्किल: मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली, एजेंसी

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में अंदरूनी बयानबाज़ी ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर के हालिया बयानों से पार्टी असहज स्थिति में आ गई है। अय्यर ने माकपा नेता पिनराई विजयन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई थी, जिस पर कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं और उनके बयान से संगठन का कोई संबंध नहीं है। विवाद थमने से पहले अय्यर ने एक साक्षात्कार में पवन खेड़ा को कठपुतली बताया और कहा कि पार्टी एक ही चेहरे पर निर्भर रहेगी तो स्थिति नहीं सुधरेगी। उन्होंने शशि थरूर पर विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का आरोप लगाया, वहीं जयराम रमेश पर भी टिप्पणी की। अय्यर ने कहा कि वे चाहते हैं कांग्रेस जीते, लेकिन नेताओं के आपसी मतभेद जीत की राह में बाधा बन सकते हैं। इन बयानों से चुनाव से पहले पार्टी में सरगर्मी बढ़ गई है।

एमसीएक्स पर जोरदार उछाल... चांदी ₹7,940 टूटी, सोना ₹1,250 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को घरेलू सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। बुलियन वेबसाइट के अनुसार चांदी 7,940 रुपए सस्ती होकर 2.38 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। वहीं सोना 1,250 रुपए टूटकर 1.55 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि वायदा बाजार में तस्वीर अलग रही। एमसीएक्स पर मार्च एक्सपायरी वाली चांदी 7,280 रुपए (3.08%) उछलकर 2,43,715 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई। अप्रैल एक्सपायरी वाला सोना 2,819 रुपए (1.84%) बढ़कर 1,55,655 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। तेज उतार-चढ़ाव से बाजार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 16 फरवरी को हल्की मुनाफावसूली देखने को मिली। एशियाई कारोबार के दौरान स्पॉट गोल्ड 0.27% गिरकर 5,033 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि स्पॉट सिल्वर 2% से अधिक टूटकर 76.34 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

बांग्लादेश: यूनुस और पूर्व मंत्रियों के खिलाफ जांच आयोग बैठा सकती है रहमान सरकार

यूनुस की प्रॉपर्टी ₹12 करोड़ हुई, 18 मंत्रियों की संपत्ति में भी इजाफा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई रहमान सरकार पूर्व अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस और उनके कार्यकाल के मंत्रियों की संपत्तियों की जांच के लिए आयोग गठित करने पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार 18 पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में कथित बढ़ोतरी की समीक्षा कर सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, यूनुस की संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि उनकी कुल संपत्ति लगभग 12 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। नई सरकार का दावा है कि पूर्व कार्यकाल के दौरान लिए गए कई आर्थिक और प्रशासनिक फैसलों की पारदर्शिता की जांच जरूरी है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित जांच आयोग वित्तीय लेन-देन, अचल संपत्तियों और विदेशी निवेश से जुड़े पहलुओं की पड़ताल करेगा। विपक्षी दलों ने इस कदम को राजनीतिक प्रतिशोध बताया है, जबकि रहमान सरकार का कहना है कि यह कदम सुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया जा रहा है। इसी बीच, खबर है कि यूनुस पेरिस जाने की तैयारी में हैं। हालांकि उनके करीबी सूत्रों ने इसे निजी कार्यक्रम बताया है और जांच से जोड़कर देखे जाने को खारिज किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जांच आयोग का गठन होता है तो इससे बांग्लादेश की राजनीति में नया मोड़ आ सकता है।

5 राज्यों में विधानसभा चुनाव... मार्च के दूसरे सप्ताह में लग सकती है आचार संहिता

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों को लेकर चुनाव आयोग ने जमीनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग की टीम सोमवार से राज्यों का दौरा प्रारंभ हुआ। जिसमें सोमवार को अपने पहले दौरे में आयोग का प्रतिनिधिमंडल गुवाहाटी पहुंचा। जो यहां 18 फरवरी तक विभिन्न स्तरों पर बैठकें करेगा। इसके बाद आयोग तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी का दौरा करेगा। इन राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल क्रमशः मई और जून में समाप्त हो रहा है। सबसे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होगा। तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में भी जून तक वर्तमान सरकारों का कार्यकाल पूरा हो जाएगा।

विजय मत एंकर भारत-फ्रांस रक्षा संवाद में संयुक्त निर्माण समझौता आज, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी शामिल

आत्मनिर्भर भारत : राफेल की हैमर मिसाइल अब देश में ही बनेगी

बेंगलुरू, एजेंसी

भारत और फ्रांस के बीच इस सप्ताह एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौता होने जा रहा है, जिसके तहत राफेल विमानों में उपयोग होने वाली हैमर मिसाइलों का निर्माण अब भारत में किया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन के बीच छठे वार्षिक रक्षा संवाद के दौरान इस पर औपचारिक मुहर लगने की संभावना है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समझौते को अगले दस वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है।

यह संवाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान आयोजित किया जा रहा है। रक्षा संवाद के दौरान कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस की एच125 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर की अंतिम असेंबली लाइन का आभासी उद्घाटन भी किया जाएगा। यह उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों संयुक्त रूप से करेंगे।

रक्षा सहयोग में नई मजबूती

भारत और फ्रांस के संबंधों में रक्षा सहयोग एक मजबूत स्तंभ रहा है। दोनों देश थल सेना के लिए 'शक्ति', नौसेना के लिए 'वरुण' और वायुसेना के लिए 'गरुड़' नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास नियमित रूप से आयोजित करते हैं। संवाद के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा के साथ औद्योगिक साझेदारी के विस्तार और सैन्य अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि हैमर मिसाइल का भारत में निर्माण रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देगा।

भारत में निर्माण से लागत में कमी

सूत्रों के अनुसार, समझौते में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का प्रावधान भी शामिल होगा। फ्रांस की रक्षा कंपनी साफ्रान और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड संयुक्त रूप से इस मिसाइल का निर्माण करेंगी। हैमर मिसाइल लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित दुश्मन के बंकर, ठिकानों और बख्तरबंद वाहनों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम है। फिलहाल भारतीय वायुसेना राफेल विमानों में फ्रांस से आयातित हैमर मिसाइलों का उपयोग कर रही है। भारत में निर्माण शुरू होने से लागत में कमी आएगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक मजबूत होगी। यह मिसाइल कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, विशेषकर पहाड़ी इलाकों में छिपे लक्ष्यों को भेदने में सक्षम मानी जाती है। इसे बाधित करना अत्यंत कठिन बताया जाता है।

भगवान शंकर से प्रेरणा लेती है भारतीय सेना: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारतीय सेना केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली शक्ति नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प की प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना भगवान शंकर से प्रेरणा लेती है–एक ओर करुणा और संरक्षण, तो दूसरी ओर अन्याय के विरुद्ध कठोर कार्रवाई। राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना प्राकृतिक आपदाओं के समय लोगों की मदद के लिए सबसे पहले पहुंचती है। चाहे बाढ़ हो, भूकंप या अन्य संकट, भारतीय सैनिक मानवता की सेवा में हमेशा तत्पर रहते हैं। इसके साथ ही जब देश की संप्रभुता और सुरक्षा पर खतरा मंडराता है, तब सेना ऑपरेशन सिंदूर जैसी निर्णायक कार्रवाई करने से भी पीछे नहीं हटती। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना अनुशासन, पराक्रम और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

गाजे-बाजे के साथ निकली बाबा की अलौकिक बारात

सीधी। शहर में महाशिवरात्रि पर युवा व्यापारी संघ सीधी द्वारा भोलेबाबा की भव्य बारात स्थानीय सम्राट चौक से शाम 5 बजे निकाली गई। बारात में शिव भक्त युवा वर्ग, मातृ शक्तियां एवं वरिष्ट जन सम्मिलित हुए। शिव बारात का शुभारंभ शिव जी की आराधना एवं भव्य आरती के साथ हुआ। इसके उपरांत भोलेनाथ की बारात ने सम्राट चौक से प्रस्थान किया।
बारात के शुभारंभ में विकास भवन के सामने बारातियों का भव्य स्वागत किया गया तथा भगवान शिव की पूजा- अर्चना हुई। गांधी चौक में कलर इवेंट जबलपुर के कलाकारों द्वारा अद्भुत प्रस्तुतियां दी गई, पुराना बस स्टैण्ड में भव्य स्वागत किया गया तथा शिव की आराधना हुई। बारात में दूल्हे भोलेनाथ के साथ सभी बाराती बैण्ड और डीजे की धुन पर थिरकते हुए फूलमती मंदिर पहुंचे। यहां कलाकारों द्वारा अनेक मनमोहक प्रस्तुतियों के बाद रात करीब 10 बजे से भोलेनाथ का पार्वती जी के साथ विवाह कार्यक्रम पुरोहितों के मंत्रोच्चारण के बाद शुरू किया गया। विवाह संपन्न होने के पश्चात यहां व्यापारी संघ द्वारा महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। बारात में शामिल होने वाले सभी भक्तगण पीले वस्त्र में शामिल रहे। महाशिवरात्रि पर निकाली गई बारात में देवी-देवताओं के साथ ही साधू संतों, अघोरियों को भी आमंत्रित किया गया था।
इस दौरान व्यापारी संघ अध्यक्ष लालचंद गुप्ता के मार्गदर्शन में युवा व्यापारी संघ के अध्यक्ष सनी मोटवानी, महामंत्री अमित गुप्ता, पंकज कुशवाहा, सतीश गुप्ता, वीरेन्द्र गुप्ता, राहुल गुप्ता एवं शिव शंकर गुप्ता, आशीष सोनी, प्रकाश वर्मा, रोहित गुप्ता, अनूप गुप्ता, अजय आहूजा, अनुराग गुप्ता अन्य पदाधिकारियों के विशेष योगदान से कार्यक्रम पूरी भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। भोलेबाबा की बारात में सीधी सांसद राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक, वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रमोहन गुप्ता, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह मुन्नू, कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह चौहान, व्यापारी संघ के महामंत्री भीम कामदार, पूर्व भाजपा अध्यक्ष इंद्रशरण सिंह, समाजसेवी दिलीप सितानी, कमल कामदार, सतीश गुप्ता, व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष हरिहर सोनी, पुष्पराज मिश्रा, जय सिंह, मनीला सिंह, पूनम सोनी, कुमुदिनी सिंह, ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री समेत हजारों की संख्या में व्यवसायी, गणमान्य नागरिक शामिल रहे।
शहर में भगवान शिव की निकाली गई बारात का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारात में शामिल बारातियों द्वारा डीजे की धुन में थिरकते हुए सम्राट चौक से लेकर अस्पताल तिराहा, गांधी चौक, लालता चौक, सोनांचल बस स्टैण्ड, पटेल पुल, अमहा फूलमती

मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग बदहाल, अतिक्रमण से मरीजों व एंबुलेंस को जूझना पड़ रहा संकट

प्रशासनिक अनदेखी के चलते अधूरी मरम्मत और मुख्य द्वार पर कब्जों ने बढ़ाई परेशानी

विजय मत, शहडोल

मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग की जर्जर हालत और मुख्य द्वार पर फैले अतिक्रमण आमजन, मरीजों और मेडिकल स्टाफ के लिए भारी परेशानी का कारण बने हुए हैं। न्यू बस स्टैंड से मेडिकल कॉलेज कुदरी तक जाने वाला यह मार्ग लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। संबंधित प्रशासन की अनदेखी के चलते न तो सड़क की समुचित मरम्मत हो पाई है और न ही अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया है।

अधूरी मरम्मत, अधूरी राहत

न्यू बस स्टैंड से हाइवे बायपास तक ही सड़क का डामरीकरण कराया गया, जबकि इसके आगे मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने वाला लगभग 500 से 600 मीटर का मार्ग आज भी खस्ताहाल बना हुआ है। इस हिस्से में जगह-जगह ऊबड़-खाबड़ सड़क और गहरे गड्ढे हैं, जिनसे होकर वाहन चालकों को मजबूरी में गुजरना पड़ता है। बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं, जब गड्ढों में पानी भर जाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

कॉलेज परिसर में प्रवेश करते ही बढ़ती मुश्किलें

मेडिकल कॉलेज परिसर में प्रवेश करते ही वाहनों को गड्ढों से होकर मोड़ना पड़ता है। सीमेंट रोड और डामर रोड के बीच इतना बड़ा गैप है कि कई बार वाहनों के पहिए उसमें फंस जाते हैं। एंबुलेंस और मरीजों को ले जा रहे वाहनों के लिए यह स्थिति अत्यंत जोखिम भरी बनी हुई है। आए दिन छोटे-बड़े हादसे होने की आशंका बनी रहती है।

मुख्य गेट पर अतिक्रमण की भरमार

पीएम रोड से मेडिकल कॉलेज की ओर मुड़ते ही सीमेंट रोड के ऊपर अतिक्रमणों की कतार नजर आती है। मुख्य गेट के दाहिने ओर एक छोटा होटल संचालित है, जिसके संचालक द्वारा कुर्सियां और अन्य सामान सड़क पर रख दिया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां चोरी-छिपे नशे का सामान भी बेचा जाता है। इस संबंध में सोहागपुर थाना पुलिस को सूचना दिए जाने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

दुकानों से संकरी हुई सड़क

मुख्य गेट के सामने कई अन्य दुकानें भी खुली हुई हैं, जिससे सड़क और संकरी हो गई है। मरीजों को लाने-ले जाने वाले वाहनों को यहां से निकलने में भारी दिक्कत होती है। कई बार जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं।

डिप्टी सीएम के निर्देश ठंडे बस्ते में

1 वर्ष पहले मप्र के डिप्टी सीएम एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज निरीक्षण के दौरान पहुंच मार्ग की हालत सुधारने के निर्देश दिए थे। आदेश में सड़क की मरम्मत के साथ पूरे मार्ग से अतिक्रमण हटाकर चौड़ीकरण कराने की बात कही गई थी, लेकिन इन निर्देशों पर अब तक अमल शुरू नहीं हो सका है।

थाना प्रभारी खैरहा एवं सिंहपुर को सर्व समाज समन्वय समिति ने यूजीसी के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

विजय मत, शहडोल

जिले में लगातार सर्व समाज समन्वय समिति के द्वारा यूजीसी के विरोध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जारहा है सर्व समाज के लोगो ने अपने ज्ञापन में बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (जीसी) द्वारा जनवरी 2026 में जारी की गई जीसी- 2026 जिसे दिनांक 15 जनवरी 2026 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। अत्यन्त गंभीर संवैधानिक एवं विधिक प्रश्न उत्पन्न करती हैं।यह अधिसूचना उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से लाई गई बताई जा रही है। तथा इसमें स्ट,स्ज्ञ,ह्ब्ष्ट, एवं दिव्यांग छात्रो के अधिकारों की सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया है। इसके अन्तर्गत सभी विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में 90 दिनों के भीतर द्गह्लह्वद्बह्ल4 कमेटियों के गठन का प्रवधान किया गया है, जिन्हें शिकयातों की जांच का अधिकार दिया गया है। सर्व समाज समन्वय समिति, शहडोल का यह स्पष्ट एवं दृढ़ मत है कि उक्त अधिसूचना भारत के संविधान में प्रदत्त समानता के मूल अधिकार अनुच्छेद 14, 15, एवं 21 की भावना के अनुरुप नही है। भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है, किन्तु यह अधिसूचना समानता की समग्र अवधारणा का स्थापित करने के स्थान पर केवल स्ट,स्ज्ञ एवं ह्ब्ष्ट वर्ग के छात्रों के अधिकारों पर केद्रित है। जबकि सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों एवं संवैधानिक संरक्षण को पूर्णतः नजर आंदज करती है।

पिपराडी में शिवरात्रि पर ऐतिहासिक मेला

विजय मत, उमरिया

जिले की करकेली जनपद पंचायत करकेली के ग्राम पंचायत पिनौरा के प्रसिद्ध शिव मंदिर पिपराडी में शिवरात्रि पर्व पर ऐतिहासिक मेला लगाया जाता है, जानकर सूत्रों का मानना है कि यह मेला लगभग दो सौ वर्षों से क्षेत्र की जनता के धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का केंद्र बना हुआ है। हर वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं और मेले में भाग लेते हैं।
ग्राम के पंडित बिशम्भर दुवेदी बताते हैं कि इस मेले की शुरुआत एक दिव्य स्वप्न से हुई थी। उनके अनुसार, ग्राम पिनौरा निवासी जनकराम मिश्रा के पिता को स्वप्न में संकेत मिला कि पिपराडी में पीपल और बरगद के संयुक्त वृक्ष के नीचे भोले बाबा विराजमान हैं। जब बताए गए स्थान पर खुदाई की गई, तो वहाँ शिवलिंग प्रकट हुआ। इसके बाद विधि-विधान से प्राण-प्रतिष्ठा कर मंदिर की स्थापना की गई और तभी से यहाँ शिवरात्रि पर मेले की परंपरा चल पड़ी।
समय के साथ पुराना छोटा मंदिर जर्जर होकर ढह गया था, जिसके बाद मंदिर का जीर्णोद्धार एवं नवीन मंदिर का निर्माण ग्राम के ही समाज सेवी योगेश दुवेदी के व्दारा कराया गया। योगेश व्दिवेदी धार्मिक कार्यो में सदैव बढ चढ कर लेते आ रहें। योगेश व्दिवेदी का परिवार सतत रूप से धार्मिक आयोजनों में महती भूमिका निभाते आ रहें हैं। बताया जाता है कि आपके ही परिवार के श्रद्धा वान विशम्भर प्रसाद व्दिवेदी ने समय की जरूरत और सुविधा को ध्यान में रखकर पिपडारी धाम में एक धर्मशाला का निर्माण कराया गया।
पिपडारी धाम और यहाँ पर लगने वाला मेला आसपास के कई गाँवों के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। शिवरात्रि पर यहाँ पूजा-अर्चना, भंडारे और मेले का आयोजन होता है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बन जाता है।

ब्रह्माकुमारी आश्रम में धूमधाम से मनाई महाशिवरात्रि

सीधी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सीधी स्टेडियम के पास स्थित सेवाकेंद्र में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। जिले स्थित सेवाकेंद्रों की संचालिका ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए बताया कि परमपिता शिव परमात्मा का दिव्य अवतरण कलयुग के अंत समय में विषय विकारों की कालिमा में लिपटे हुए और अज्ञानता की निद्रा में सोए हुए मनुष्य मात्र को जगाने के लिए ही होता है। परमात्मा शिव संपूर्ण सृष्टि के पिता हैं इसलिए उनके दिव्य एवं कल्याणकारी कर्तव्य समूचे विश्व के लिए हैं। वे अपने तीन दिव्य कर्तव्यों क्रमशः नई पावन सृष्टि की स्थापना, पालना और पुरानी पतित सृष्टि से सर्व बुराइयों का विनाश करके, सभी मनुष्यों का कल्याण करते हैं और सर्व को गति और सद्गति प्रदान करते हैं। रात्रि अज्ञानता का सूचक है। साधारण तौर पर रात्रि, अज्ञान, अंधकार, पाप, भ्रष्टाचार और तमोगुण की निशानी है।

बेसहारा मवेशियों का बढ़ता आतंक, सड़कों से हाइवे तक हादसों का खतरा

शहर से बाहर जाने वाले मार्ग सबसे ज्यादा प्रभावित, कॉलेज क्षेत्र में वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

विजय मत, शहडोल

शहर में बेसहारा मवेशियों की बढ़ती संख्या अब आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है। शहर की मुख्य सड़कों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग तक इन मवेशियों की चहलकदमी लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। स्थिति यह है कि कई स्थानों पर वाहन चालकों को अचानक सड़क के बीच खड़े मवेशियों के कारण ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे पीछे आ रहे वाहन भी हादसे की चपेट में आ जाते हैं।
हाइवे और कॉलेज क्षेत्र बना खतरे का जोन –शहर से बाहर निकलने वाले हाइवे पर यह समस्या सबसे ज्यादा गंभीर रूप ले चुकी है। विशेष रूप से शहडोल के शासकीय इंदिरा महाविद्यालय के आसपास 10 से अधिक मवेशियों का झुंड अक्सर सड़क किनारे और बीच मार्ग पर बैठा नजर आता है। सुबह और शाम के समय जब यातायात का दबाव बढ़ता है, तब यहां से वाहन निकालना बेहद मुश्किल हो जाता है। कई बार दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोकर गिर चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय यह खतरा और बढ़ जाता है, जब कम रोशनी में मवेशी अचानक सामने आ जाते हैं।
दोपहिया चालकों को सबसे ज्यादा नुकसान –इन मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा प्रभावित दोपहिया वाहन चालक हो रहे हैं। अचानक सामने आ जाने से बाइक और स्कूटी सवार गिरकर घायल हो रहे हैं। कई मामलों में गंभीर चोटें भी आई हैं। वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर जानवरों की वजह से लगातार डर बना रहता है, खासकर जब परिवार के साथ सफर करना हो।
सरकारी जिम्मेदारी पर उठ रहे सवाल–यह स्थिति उस समय और गंभीर मानी जा रही है जब पिछले वर्ष 19 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उमरिया (जबलपुर) में 53 एकड़ में निर्मित गौशाला के भूमिपूजन के दौरान कहा था कि बेसहारा और निराश्रित मवेशियों की देखभाल सरकार की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद शहडोल में हालात काबू से बाहर नजर आ रहे हैं।
नगरपालिका का अभियान साबित हो रहा कामचलाऊ –नगरपालिका द्वारा समय-समय पर सड़क से मवेशियों को हटाने के लिए अभियान चलाया गया, लेकिन यह प्रयास स्थायी समाधान नहीं दे पाया। कुछ माह पहले मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा गया, पर कुछ दिनों बाद ही उन्हें खुला छोड़ दिया गया।

बिरासनी जवारा जुलुस की भव्यता बढाने बैठक, पंडितों से शुल्क लेने पर उभरे मतभेद

बिरसिंहपुर पाली। चैत्र बंसतीय नवरात्रि की भव्यता बढाने के लिए आज तहसील परिसर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी, बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मीनाक्षी इंगले की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बिरासनी जवारा जुलुस की भव्यता बढाने पर जोर दिया गया। दर असल में एक लंबे समय से माता के दरबार में श्रद्धालु जवारा कलश बोते तो है, लेकिन उठाने नहीं आते, जिससे धीरे धीरे बिरासनी जवारा जुलुस का अस्तित्व ही संकट मे पडता जा रहा है, इसलिए सभी श्रद्धालुओं को कलश उठाने के लिए प्रेरित किया जाये। इसके लिए सबसे प्रेरणा के लिए अनुविभागीय अधिकारी मीनाक्षी इंगले ने खुद कलश लेकर चलने की बात कही गयी जिसकी बैठक के सभी सदस्यों ने स्वागत किया, साथ ही पाली नगर की सभी महिला मंडल, रामायण मंडलियों की महिलाओं से भी बैठक कर कलश उठाने के लिए प्रेरित करने की कोशिश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने स्वयं उठायी।बिरासनी मंदिर में पंडितों से बैठकी वसूली पर लेकर जबर्दस्त बहस हुई और नगर के बहु प्रतिष्ठित व्यवसायी और व्यापारी संघ के संरक्षक गोपाल अग्रवाल ने इस बात का कडा विरोध जताते हुए कहा कि इस जरा सी आमदनी के लिए विवाद की स्थिति बनती है।अगर पंडितों से बैठकी वसूली जाती है, तो सभी लोगों से शुल्क लिया जाना चाहिए , चाहे वह रक्षा सूत्र बांधने वाला हो, सभी से वसूल किया जाये। बैठक में तीखी बहस के कारण पंडितों से वसूली जाने वाली राशि 1100.00 से घटाकर पांच सौ रूपये लिये जाने का निर्णय लिया गया। विदित होवे की पिछली बार भी बैठक में पांच सौ रूपये का निर्णय पारित किया गया था, लेकिन 1100.00 रूपये वसूल किया गया था। इस बात को भी प्रमुखता से रखा गया। बैठक में क्रय होने वाली सामग्री बांडेड कंपनी को ही निविदा में रखा जाये, घी कलश के मूल्य वृद्धि पर भी बैठक में दर न बढाने का निर्णय लिया गया। जानकर सूत्रों ने बताया कि घी कलशो में कहीं कोई नुकसान नहीं है तो मुनाफा कमाने के लिए दरो में वृद्धि नहीं की जानी चाहिए।

समस्या

नाली पर 'नौकरशाही' का जाम,नगर पालिका सुस्ती से पांच मीटर नाली बना शहर में जाम

पांच मीटर नाली निर्माण 26 दिन से अधूरा, आवागमन ठप्प

विजय मत, शहडोल

नगर के गंज रोड स्थित मॉडल स्कूल के सामने महज 5 मीटर लंबी नाली का निर्माण नगर पालिका की सुस्ती की भेंट चढ़ गया है। पुरानी नाली तोड़कर नई बनाने की कवायद 26 दिन बाद भी अधूरी है। सड़क पर मलबा, बीच में गड्ढा और चारों ओर अव्यवस्था इन हालात में आवागमन लगभग ठप है। स्कूली बच्चों की सुरक्षा से लेकर छोटे सब्जी विक्रेताओं की रोजी-रोटी तक, सब पर इसका असर साफ दिख रहा है।

पहले तोड़ी, फिर छोड़ दी, बिना वैकल्पिक व्यवस्था के खुदाई

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी ने पुरानी पक्की नाली को तोड़ने से पहले न तो ट्रैफिक डायवर्जन किया और न ही पैदल आवाजाही के लिए अस्थायी रास्ता बनाया। खुदाई के बाद गिट्टी, सीमेंट और मलबा सड़क पर ही पड़ा है। गड्ढा खुला होने से हादसे की आशंका बनी रहती है, खासकर सुबह-शाम स्कूल समय में भीड़ के दौरान। दोपहिया वाहन किसी तरह किनारे से निकलते हैं, जबकि चारपहिया और ठेले लगभग फंस जाते हैं। कई बार जाम की स्थिति बनती है, जिससे आसपास की गलियों में भी दबाव

बढ़ जाता है।

स्कूल टाइम में बढ़ता जोखिम

मॉडल स्कूल के सामने रोजाना सैकड़ों छात्र-छात्राएं और अभिभावक आते-जाते हैं। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को सड़क पार कराना जोखिम भरा हो गया है। धूल और मलबे के बीच फिसलन भी है, जिससे छोटे बच्चों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। स्थानीय रहवासी बताते हैं कि शाम को रोशनी कम होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है।

सब्जी बाजार सिमटा, छोटे किसान प्रभावित

इसी स्थान पर रोजाना छोटे किसान और सब्जी विक्रेता अस्थायी दुकान लगाते थे। रास्ता अवरुद्ध होने से ग्राहक कम पहुंच रहे हैं। कई विक्रेताओं ने बताया कि बिक्री में 40-50 प्रतिशत तक गिरावट आई है। गांवों से ताजी सब्जी लाने वाले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि भीड़भाड़ और जाम के कारण लोग यहां रुकने से बच रहे हैं।

'सीएम दौरा' बना वजह, काम अब भी ठप

नगर पालिका के अधिकारियों ने प्रारंभ में मुख्यमंत्री के दौरे का हवाला देते हुए कहा था कि श्रमिकों को अन्य व्यवस्थाओं में लगाया गया, इसलिए काम रुका। आश्वासन दिया गया था कि 8 तारीख के बाद निर्माण तेज होगा। लेकिन दौरा समाप्त हुए एक सप्ताह से अधिक बीत जाने पर भी स्थल पर प्रगति नजर नहीं आती। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद न तो कार्ययोजना सार्वजनिक की गई और न ही समयसीमा तय की गई। एक ओर शहर में विकास कार्यों के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर 5 मीटर की नाली महीनों की कहानी बनती जा रही है।

दुर्गा मंदिर की नजूल भूमि पर अवैध निर्माण हटाने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

विजय मत, शहडोल

श्री दुर्गा माता सेवा समिति, श्री विराटेश्वरी धाम (दुर्गा मंदिर) शहडोल द्वारा कलेक्टर शहडोल को ज्ञापन सौंपकर दुर्गा मंदिर प्रांगण के सामने स्थित नजूल भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को हटाने की मांग की गई है। समिति ने आरोप लगाया है कि यह भूमि पूर्व में श्रद्धालुओं के वाहनों की सार्वजनिक पार्किंग हेतु सुरक्षित की गई थी, जिसे कुछ भू-माफियाओं द्वारा अतिक्रमण कर दुकानों का निर्माण कर लिया गया है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व कलेक्टर डॉ. सत्येंद्र सिंह द्वारा दुर्गा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उक्त भूमि को सार्वजनिक पार्किंग के रूप में प्रदान किया गया था तथा नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा वहां बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया गया था। आरोप है कि बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के बाउंड्रीवाल को तोड़कर तीन दुकानों का निर्माण कर शटर लगा दिए गए हैं और उन्हें 40 से 50 लाख रुपये में बेचने की तैयारी की जा रही है।

समिति का कहना है कि यदि दुकानों के शटर पार्किंग स्थल की ओर खुलेंगे तो श्रद्धालुओं को वाहन खड़े करने में भारी असुविधा होगी तथा भविष्य में विवाद की स्थिति भी निर्मित हो सकती है।

सेवा समिति ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध निर्माण को तत्काल हटाकर पूर्ववत बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो भक्तजन कलेक्टर कार्यालय के समक्ष धरना-आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

न्यूज इन शॉर्ट

70 वर्ष से ऊपर की उम्र के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड अटके

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाने की घोषणा ने लाखों परिवारों में उम्मीद जगाई थी। लेकिन जमीनी स्तर पर तकनीकी और दस्तावेजी खामियों के कारण बड़ी संख्या में पात्र बुजुर्ग अब भी योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। कार्ड बनने में देरी के चलते वे मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और फील्ड कर्मियों के अनुसार कार्ड बनाने की प्रक्रिया में सबसे बड़ी रुकावट आधार कार्ड का डेटा मिसमैच है। बुजुर्गों के कार्ड बनाने का अभियान लगातार चल रहा है और डेटा संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय किया जा रहा है।

मप्र में जंगल के कचरे से बनाया जाएगा ऑर्गेनिक प्लास्टिक

भोपाल। आमतौर पर अनुपयोगी माने वाले खेतों और जंगल के कचरे से अब ऑर्गेनिक प्लास्टिक तैयार हो सकेगा। इसे लेकर दक्षिण कोरिया में किए गए 14 साल के लंबे रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने बायोमास पॉलीमर के रूप में एक ऐसा प्रोडक्ट तैयार कर लिया है। जो जल्द ही देश और दुनिया में प्लास्टिक का सुरक्षित और पर्यावरण आधारित विकल्प बनेगा। मध्य प्रदेश में इसे बड़े पैमाने पर तैयार करने के लिए दक्षिण कोरिया की कंपनी ईसीडीएस 2030 करोड़ के निवेश के साथ भारत में अपनी पहली यूनिट स्थापित करने जा रही है। जहां 2027 से बिल्कुल प्लास्टिक की तरह दिखने वाले बायोमास पॉलीमर से तैयार तरह-तरह के घरेलू सामान का निर्माण शुरू हो जाएगा।

400 मिलियन टन प्लास्टिक का उत्पादन: दुनिया भर में प्लास्टिक प्रदूषण सबसे बड़ी पर्यावरणीय और स्वास्थ्य आधारित समस्या बन चुका है। हालांकि इसके बावजूद हर साल दुनिया भर में 400 मिलियन टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। इसमें भी आधे सामान का उपयोग सिंगल उसे के हिसाब से होता है। नतीजतन 2000 कचरा ट्रक के बराबर प्लास्टिक प्रतिदिन महानगरों नदियों और झीलों में डाला जा रहा है, जो समुद्र में पहुंचकर समुद्री जीवन को भी नष्ट कर रहा है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि प्लास्टिक को पूरी तरह नष्ट होने में 500 से 1000 साल तक लग सकते हैं, क्योंकि इसका पर्यावरण आधारित विघटन नहीं हो पाता। इन हालातों में दुनिया भर के देश प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए रिसर्च में जुटे हैं। दक्षिण कोरिया में इसी समस्या के चलते 2011 से जारी रिसर्च के बाद वैज्ञानिक जंगल से प्राप्त होने वाले लकड़ी के कचरे, पत्तियां, पेड़ पौधों की लकड़ी, तना-चावल का भूसा और गेहूं के भूसे के साथ अनाज के उत्पादन के बाद बचने वाली पराली से एक ऐसा प्लास्टिक जैसा उत्पाद तैयार कर चुके हैं। जो उतना ही मजबूत और प्लास्टिक की तरह ही मोड़े जा सकने की खूबी रखता है। साउथ कोरिया की कंपनी के डायरेक्टर राजेश भारद्वाज ने बताया कि, इस उत्पाद की खासियत है कि, यह प्राकृतिक पदार्थ के साथ मिनरल और मोम के मिश्रण से तैयार होने के बाद क्रॉस लिंक पॉलीमर का रूप ले लेता है। जो बिल्कुल प्लास्टिक की तरह उपयोग में लाया जा सकता है। जिसमें 70 से 72 प्रतिशत फॉरेस्ट्री बायो प्रोडक्ट होता है। जबकि 20 प्रतिशत मिनरल और मॉम के साथ कलर एक्सट्रैक्ट होता है। जिसका उपयोग सुरक्षित तरीके से किसी भी काम में किया जा सकता है।

एमपी को मिले 4 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे भारतमाला में शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश से गुजरने वाले चार ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे को केंद्र की महत्वाकांक्षी भारतमाला परियोजना में शामिल कर लिया गया है। इन एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई करीब 3 हजार किलोमीटर होगी, जिनके निर्माण पर 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। बजट में राशि का प्रावधान किए जाने के बाद अब इन परियोजनाओं के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। अधिकृत जानकारी के अनुसार, इन चार ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे में कोटा-इटावा एक्सप्रेस-वे भी शामिल है। केंद्र सरकार की योजना है कि इसी वर्ष से इन सडकों का निर्माण कार्य शुरू किया जाए। इसके पूरा होने से न केवल प्रदेश की यातायात व्यवस्था दुरुस्त होगी, बल्कि माल परिवहन भी तेज और सस्ता हो सकेगा। हालांकि, अटल एक्सप्रेस-वे और भोपाल-इंदौर एक्सप्रेस-वे को लेकर भूमि अधिग्रहण और तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण इन परियोजनाओं में एक साल तक की देरी की आशंका जताई जा रही है। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं का सबसे बड़ा फायदा स्थानीय लोगों को रोजगार के रूप में मिलेगा। निर्माण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में मजदूरों, इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों को काम मिलेगा। वहीं, सडक किनारे बसे शहरों और गांवों में होटल, ढाबे, पेट्रोल पंप, गोदाम और छोटे-बड़े व्यवसाय तेजी से विकसित होंगे। इससे ग्रामीण और कस्बाई अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी।

पश्चिमी प्रणाली सक्रिय, ग्वालियर-चंबल और सागर अंचल में 18-19 फरवरी को बूंदाबांदी संभव

दो दिन बाद बदलेगा मौसम, कई जिलों में बारिश के आसार

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। उत्तर भारत में सक्रिय हो रही पश्चिमी प्रणाली का असर अब प्रदेश के ग्वालियर-चंबल, सागर अंचल और उज्जैन संभाग तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने 18 और 19 फरवरी को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और नीमच जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। भोपाल और इंदौर में बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है। 17 फरवरी को कुछ स्थानों पर सुबह हल्का कोहरा रह सकता है, हालांकि वर्षा के आसार नहीं हैं।

दिन में बढ़ी गर्मी, खरगोन में पारा 34 डिग्री पार: सोमवार को प्रदेश में तापमान में विविधता देखी गई। खंडवा और खरगोन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रायसेन, रतलाम, धार, दमोह, मंडला, सागर, सतना और उमरिया सहित कई जिलों में पारा 30 डिग्री या उससे अधिक रहा।

रात में हल्की ठंड बरकरार

रात के समय हल्की ठंड का असर बना हुआ है। कटनी जिले के करौंदी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। पचमढ़ी में 9.2, कल्याणपुर में 9.4 और रीवा में 9.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बड़े शहरों में इंदौर 11.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ग्वालियर 11.7, भोपाल 13, उज्जैन 13.5 और जबलपुर 14.3 डिग्री पर दर्ज हुआ।

फरवरी में तीसरी बार बारिश के आसार

फरवरी में यह तीसरा अवसर होगा जब प्रदेश में वर्षा की स्थिति बन रही है। इससे पहले दो बार ओलावृष्टि और तेज हवाओं से फसलों को नुकसान पहुंचा था। प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा सर्वे भी कराया गया था। मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी से सक्रिय नई प्रणाली के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी संभव है। फिलहाल सुबह-शाम हल्की ठंड और दोपहर में तेज होती गर्मी का क्रम जारी रहेगा।

मध्य प्रदेश पुलिस को सीआईडी की चेतावनी

गिरफ्तारी से पहले कारण नहीं बताया तो कार्रवाई होगी अवैध

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी जारी की है कि किसी भी आरोपी को गिरफ्तार करने से पहले उसे गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी देना अनिवार्य है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो गिरफ्तारी अवैध मानी जाएगी और संबंधित अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की स्थिति बन सकती है। सीआईडी ने यह एडवाइजरी पुलिस कमिश्नर कार्यालयों, एसटीएफ, नारकोटिक्स और साइबर सेल सहित सभी प्रमुख इकाइयों को भेजी है। निर्देशों में कहा गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी समझ में आने वाली भाषा में गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताए जाएं। यदि तत्काल लिखित सूचना देना संभव न हो तो पहले मौखिक रूप से जानकारी दी जाए और उसके बाद उचित समय के भीतर लिखित सूचना देना सुनिश्चित किया जाए। एडवाइजरी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आरोपी को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने से पहले उसे गिरफ्तारी के आधारों की लिखित जानकारी मिल जानी चाहिए। ऐसा न होने पर गिरफ्तारी और उसके बाद की हिरासत को अवैध माना जा सकता है।

जवाबदेही और पारदर्शिता पर जोर

सीआईडी की इस चेतावनी से स्पष्ट है कि अब गिरफ्तारी की प्रि या में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधिकारियों को विधिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना होगा, नहीं तो गिरफ्तारी की वैधता पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी 24 को करेंगे भोपाल कूच

महासंघ ने किया चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण का ऐलान

विजय मत, भोपाल

अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी 24 फरवरी को भोपाल कूच करेंगे। इससे पहले 16 और 17 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। लंबित मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज़ समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ ने चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण का ऐलान किया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियमित, एनएचएम संविदा, एड्स नियंत्रण समिति, आउटसोर्स, रोगी कल्याण समिति, गैस राहत और आयुष विभाग से जुड़े कर्मचारियों की 14 सूत्रीय तथा आयुष की 9 सूत्रीय मांगें लंबे समय से लंबित हैं। कई मांगें गैर-आर्थिक और सैद्धांतिक हैं, जिन पर सहमति बनने के बावजूद आदेश जारी नहीं हुए। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है। महासंघ ने चेताया है कि 24 फरवरी को हजारों कर्मचारी भोपाल में एकत्र होकर 'न्याय यात्रा' निकालेंगे और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ तो हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया जाएगा। संगठन ने साफ किया कि ऐसी स्थिति की जिम्मेदारी विभाग की होगी। कर्मचारियों का कहना है कि वे मानव सेवा से जुड़े महत्त्वपूर्ण विभाग में काम करते हैं, लेकिन मांगों की अनदेखी से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें सरकार की अगली प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग, कोर्ट में काम प्रभावित

वकील की हत्या का विरोध, अधिवक्ताओं की हड़ताल

विजय मत, भोपाल

शिवपुरी के करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या के विरोध में भोपाल के वकीलों ने सोमवार को न्यायालय में काम बंद रखा। उन्होंने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। भोपाल मे अधिवक्ताओं ने तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की है। वहीं, कोर्ट में काम बंद होने के कारण लोग परेशान नजर आए। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय चौधरी ने बताया कि समय-समय पर एडवोकेट्स के साथ वारदातें होती हैं। लिहाजा उनके लिए अडवोकेट प्रोक्शन एक्ट लागू किया जाना अति अवश्यक हो चुका है। पूर्व में भी इसकी मांग उठी लेकिन सरकार ने वकीलों की मांग को नजरअंदाज किया। एडवोकेट देवेंद्र रावत मुताबिक भोपाल के अधिवक्ता वकील की हत्या के बाद आक्रोशित हैं। हमारी मांग है कि हत्या के आरोपियों के खिलाफ फार्स्टट्रेक कोर्ट में केस को चलाया जाए। केस की जांच किसी स्पेशल एजेंसी से कराई जानी चाहिए।

बेटे की जमानत के लिए हलाकान होती दिखी मां

भोपाल कोर्ट में तुलसी राय ने बताया कि उनके बेटे को धोखाधड़ी के आरोप में जेल भेजा गया है। जिसकी जमानत पर आज सुनवाई होना थी। कोर्ट में आते ही पता लगा कि आज नयायलय में काम बंद है। हालांकि इस परेशान मां को आस थी कि कुछ घंटो में काम शुरू होगा और शायद उनके बेटे केस में सुनवाई हो जाए। लिहाजा वह अपने वकील की टेबल पर बैठी इंतेजार करती रहीं। इधर, साथी वकील की हत्या से गुस्साए वकीलों ने कोर्ट परिसर में जमकर नारेबाजी की। वकील अपनी कुर्सियों पर काम बंद कर बैठे हुए नजर आए। 14 फरवरी को करेरा अभिभाषक संघ के सदस्य अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वे कोर्ट जा रहे थे जब पुराने विवाद के चलते भाड़े के शूटरों ने उन्हें निशाना बनाया।

डिजिटल निगरानी से समय पर आएंगे बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षाएं शुरू होते ही उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पहला चरण 22 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, इतिहास, कृषि और विज्ञान विषयों की कॉपियां जांची जाएंगी। दूसरा चरण तीन मार्च से शुरू किया जाएगा। इस वर्ष मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों का कार्यभार बढ़ा दिया गया है। पहले प्रतिदिन 30 उत्तरपुस्तिकाएं जांचने का लक्ष्य था, जबकि अब 45 से 60 कॉपियां प्रतिदिन जांचने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे मूल्यांकन प्रक्रिया तेज होगी और परिणाम जल्द घोषित किए जा सकेंगे।

भुगतान और भत्ता व्यवस्था: निर्देशों के अनुसार हाईस्कूल की एक कॉपी जांचने पर 15 रुपये और हायर सेकेंडरी की कॉपी पर 16 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यालय से बाहर आने वाले शिक्षकों को 180 रुपये वाहन भत्ता तथा स्थानीय शिक्षकों को 130 रुपये भत्ता मिलेगा।

डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू: इस बार मूल्यांकन कार्य में डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। शिक्षकों को कार्य शुरू करने से पहले मोबाइल ऐप पर उपस्थिति दर्ज करनी होगी।

समय पर परिणाम घोषित करने की तैयारी

करीब 16 लाख विद्यार्थियों की सवा करोड़ उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। नई व्यवस्था से फर्जी उपस्थिति, देरी और लापरवाही पर नियंत्रण रखने की योजना है। बोर्ड परीक्षा इस बार जल्दी शुरू की गई है और परिणाम भी समय पर घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राजस्थान के ऊंट-भेड़ों के लिए एमपी में नया कॉरिडोर

विजय मत, भोपाल

मोहन सरकार ने राजस्थान के ऊंटों, भेड़ों और अन्य जानवरों के लिए नया कॉरिडोर खोला है। चालीस साल बाद किए गए बदलाव के बाद अब एमपी में पांच मार्गों से राजस्थान के ऊंटों, भेड़ों की आवाजाही हो सकेगी। मोहन सरकार द्वारा घोषित किए गए नए कारिडोर से होकर राजस्थान के जानवर यहां चराई के साथ छत्तीसगढ़ तक जा सकेंगे। प्रदेश सरकार ने राजस्थान के पशुपालकों को राहत देते हुए भेड़, ऊंट आदि पशुओं की एमपी में चराई के लिए पांचवां मार्ग भी मंजूर कर दिया है। इस मार्ग से राजस्थान के पशुपालक अपने पशुओं को लेकर मध्यप्रदेश में प्रवेश कर चराई कर सकेंगे। यह पांचवां मार्ग दमोह, नरसिंहपुर, कटनी, जबलपुर, डिंडौरी और अमरकंटक होते हुए छत्तीसगढ़ की सीमा तक राजस्थान के पशुओं को निकासी देगा। इसके पहले एमपी सरकार ने अन्य राज्यों के पशुओं को चराई की सुविधा देने के लिए वर्ष 1986 में चराई नियम बनाए थे। इसी नियम के अंतर्गत अब पांचवां मार्ग घोषित किया गया है। इसके पहले प्रदेश में चार मार्ग पहले से अधिकृत थे, जिनसे राजस्थान के पशुपालक अलग-अलग जिलों से होकर एमपी में प्रवेश करते थे। अब नए मार्ग के जुडने से पशुपालकों को आवाजाही और चराई में सुविधा मिलेगी।

अब तक ये मार्ग तय थे, जो एमपी की सीमा से गुजरते हैं

सवाई माधोपुर (राजस्थान) से माली घाट, चंबल नदी होते हुए श्योपुर, कराहल, जोहरी, शिवपुरी, मोहन्ना, ग्वालियर और भिंड होकर यूपी के इटावा में निकासी। शाहबाद (राजस्थान) से बमोरी (गुना), गुना, ईसागढ़, चंदेरी होकर यूपी के ललितपुर में निकासी। इकलेरा (राजस्थान) से भोजपुर, खिलचीपुर, राजगढ़, सितोलिया, लटेरी, सिरोंज, चौराहा, सारस, बहेड़ी, ढाकेनी, चंदेरी होकर यूपी के ललितपुर में निकासी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष ने किया हंगामा, पूछा- इंदौर में प्रदूषित पानी से हुई मौतों का जिक्र क्यों नहीं?

राज्यपाल को अधूरा छोड़ना पड़ा अभिभाषण

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज पहले दिन विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। वजह ये थी कि राज्यपाल मंगुभाई के अभिभाषण में इंदौर के प्रदूषित जल से हुई मौतों का कोई जिक्र नहीं था, इसका विरोध करते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इंदौर के प्रदूषित जल से हुई मौतों का जिक्र क्यों नहीं किया गया। इस पर कांग्रेस के सचिन यादव, जयवर्धन सिंह आदि सदस्य खड़े हो गए और नारेबाजी के साथ हंगामा करने लगे। इसी शोरगुल के बीच राज्यपाल पटेल ने अपना अभिभाषण जारी रखा। हंगामा इतना ज्यादा हुआ कि राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पूरा नहीं किया और बीच में ही छोड़कर चले गए। मात्र 18 मिनट में ही उन्होंने जय हिंद कहकर इतिश्री कर दी। अध्यक्ष ने कुछ ही देर में सदन की कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थिगित कर दी। सोमवार को सदन की कार्यवाही के प्रारंभ में संपूर्ण छह छंदों में वंदे मातरम् का गायन हुआ, जिसके बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपना अभिभाषण दिया। राज्यपाल पटेल ने अपने संबोधन में सरकार की विकास उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों का उल्लेख किया। साथ ही संकल्प पत्र 2023 में किए गए वादों पर अब तक हुए कार्य और आगामी लक्ष्यों की जानकारी भी दी। इससे पहले विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यपाल का स्वागत किया। राज्यपाल ने अभिभाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि देश ऐसी दहलीज पर खड़ा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की संज्ञा दी है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य, 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने, पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए कार्यों का उल्लेख किया। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पानी से हुई 40 मौतों का मुद्दा भाषण में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी, हालांकि हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा।

ठेकों से पहले 'हाफ प्राइस' शराब

विजय मत, भोपाल

नए वित्तीय वर्ष से पहले शराब ठेकों की अवधि खत्म होने में अभी समय है, लेकिन राजधानी भोपाल सहित देवास, नर्मदापुरम और एक दर्जन से अधिक शहरों में शराब 30 से 50 फीसदी तक छूट पर बेची जा रही है। दो हफ्ते पहले तक महंगी शराब की शिकायतें थीं, अब कई दुकानों पर एक के साथ एक फ्री और लागत मूल्य के आसपास बिक्री हो रही है। बाजार में आई इस अचानक गिरावट ने आबकारी नीति, प्रतिस्पर्धा और सिस्टम तीनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकार बताते हैं कि आम तौर पर 31 मार्च से ठीक पहले स्टॉक क्लियरेंस के लिए सीमित छूट दी जाती है, लेकिन इस बार दो महीने पहले ही भारी डिस्काउंट शुरू हो गया। भोपाल में एक बड़े समूह द्वारा 50 प्रतिशत तक छूट दिए जाने की चर्चा है। शहर में दो प्रमुख समूह सक्रिय हैं। एक के पास 62 और दूसरे के पास 25 दुकानें बताई जाती हैं। जिन जिलों में ठेकेदारों का सिंडिकेट मजबूत है, वहां कीमतें नियंत्रित और छूट सीमित है। जहां सिंडिकेट नहीं, वहां आपसी प्रतिस्पर्धा ने कीमतों को तेजी से नीचे ला दिया है। मध्य प्रदेश आबकारी विभाग की आबकारी नीति 2025-26 में स्पष्ट है कि शराब की बिक्री एमआरपी से अधिक और एमएसपी से कम दर पर नहीं की जा सकती। ठेकेदारों का तर्क है कि हर माह कम से कम 85 प्रतिशत स्टॉक उठाना अनिवार्य है। तय मात्रा न लेने पर भारी पेनॉल्टी लगती है। ऐसे में लाइसेंस अवधि समाप्त होने से पहले स्टॉक निकालना उनके लिए व्यावसायिक मजबूरी बन जाता है। सवाल यह है कि अगर बिक्री एमएसपी से नीचे नहीं हो सकती, तो 50 प्रतिशत तक की छूट किस आधार पर दी जा रही है।

विजय मत एंकर बीजेपी जॉइन करने की अटकलों पर कांग्रेस विधायक का जवाब

काम के लिए सीएम से मिलने का मतलब दल बदलना नहीं: नितेन्द्र

विजय मत, भोपाल

एमपी में कमलनाथ सरकार गिरने के बाद से कांग्रेस के विधायकों को लेकर कई बार अफवाहें और कयास लगते रहते हैं। टिमरनी विधायक अभिजीत शाह आरएसएस के हिन्दू सम्मेलन में शामिल हुए तो उनको लेकर अटकलें चलने लगी थीं। हालांकि विवाद तेज होने के बाद विधायक अभिजीत शाह ने अपने इंस्टाग्राम से हिन्दू सम्मेलन में शामिल होने वाला वीडियो डिलीट कर दिया था। अब कांग्रेस के ही एक और युवा विधायक के बीजेपी में शामिल करने की चर्चाएं सोशल मीडिया और मीडिया में चल रहीं हैं। पृथ्वीपुर से कांग्रेस विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर को लेकर स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया में ये खबरें आई कि वे बीजेपी जॉइन कर सकते हैं। इन चर्चाओं को लेकर विधानसभा पहुंचे नितेन्द्र सिंह राठौर ने दैनिक भास्कर से चर्चा की। नितेन्द्र सिंह राठौर ने कहा कि ये निराधार बातें हैं जिनका कोई औचित्य नहीं हैं। कोई समाचार पत्र यदि किसी फंक्शन में जाने की तस्वीर छाप दे। या मुख्यमंत्री जी जो प्रदेश के मुखिया हैं उनसे सत्ता पक्ष के विधायक भी मिलते हैं और विपक्ष के विधायक भी मिलते हैं। क्योंकि, जनता ने चुनकर भेजा है तो हम क्षेत्र के काम मांगने या जनता की समस्याओं से अवगत कराने के लिए किसके पास जाएंगे? विपक्ष का विधायक यदि प्रदेश के मुखिया से मिलता है तो इसीलिए मिलता है ताकि जनता के हितों का ध्यान रख सके। क्योंकि, मुझे जनता ने चुनकर भेजा है।

जरूरत पड़ेगी तो जनता के काम के लिए प्रधानमंत्री से मिलूंगा

पृथ्वीपुर विधायक ने कहा- मैं तो कहता हूं कि जनता के लिए मुझे प्रधानमंत्री जी से मिलना पड़े या किसी केन्द्रीय मंत्री से मिलना पड़े तो उनसे भी मिलूंगा। इसमें क्या गलत है? लेकिन, इन मुलाकातों को गलत तरीके से प्रस्तुत करना। ये बहुत दुखद और निराधार है। मैं इतना ही कहूंगा कि ऐसी खबरों से पत्रकारों को बचना चाहिए। क्योंकि इससे एक जनप्रतिनिधि जो जनता के द्वारा चुनकर आता है उसकी छवि खराब करने का प्रयास है। जनता के काम के लिए और विकास कार्यों के लिए किसी से भी काम के लिए मिलना होगा मैं मिलूंगा।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

कांतिलाल मांडोत

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं।आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है।युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे।

दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है।

तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है।आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है

बड़े लोकतांत्रिक देश अमेरिका और भारत आज केवल राजनीतिक एवं व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को नये तरीके से परिभाषित करने के केंद्र बन रहे हैं। इस कारण अमेरिका और भारत की संघीय लोकतांत्रिक एवं प्रशासकीय व्यवस्था को लेकर बड़े सवाल उठने लगे हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्रांति, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विविधताओं के बीच इन दोनों देशों ने संविधान और लोकतंत्र की नई व्याख्या करने की शुरुआत कर दी है, जो शासक आधारित है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता का विकेंद्रीकरण एवं जवाबदेही तय होती है। भारत में पिछले कई वर्षों से सत्ता का केंद्रीकरण होता जा रहा है। अमेरिका में भी दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से निर्णय ले रहे हैं, उससे भी शासन व्यवस्था में ट्रम्प का एकाधिकार अमेरिका में बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के जो राज्य हैं, उनकी दूरी केंद्रीय सत्ता से बढ़ती चली जा रही है। नई व्याख्या परंपरागत मूल्यों को बनाए रखते हुए समयानुकूल बदलाव के लिए लोकतांत्रिक पद्धति एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण पूर्व की तरह बना रहेगा, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मजबूत रहेंगी। भारत का संविधान विविधता में एकता का प्रतीक है। भारत में विभिन्न भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की असंख्य धाराएँ संविधान एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समाहित हैं। वहीं अमेरिका का संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी, मानव अधिकारों की रक्षा एवं संघीय व्यवस्था प्रदान करता है। दोनों देशों ने अपने-अपने ऐतिहासिक अनुभवों से लोकतंत्र को मजबूत किया था।

अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो।

> अमेरिका ने स्वतंत्रता संग्राम और नागरिक अधिकार आंदोलनों से, वहीं भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय के लिए भारतीय संविधान तैयार किया था। भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और न्यायिक तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कई चुनौतियों का सामना अमेरिका और भारत दोनों को ही करना पड़ रहा है। चाहे वह, सत्ता के केंद्रीयकरण का मामला हो या फेक न्यूज़ का प्रसार हो। वैधानिक संस्थाओं पर सत्ता का बढ़ता दबाव लोकतंत्र और न्याय तंत्र दोनों को ही प्रभावित कर रहा है। मानव अधिकारों को लेकर वह स्वतंत्रता अब नहीं मिलती, जैसे कुछ समय पहले देखने को मिलती थी। ऐसे समय में भारत और अमेरिका में सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र का नए सिरे से होगा।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति , जो ताकत देती है

किशन सनमुखदास भावनानीं)

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस,हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है, अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है ! ! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है।

साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसका परिणाम पराजय में होता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।

साथियों बात अगर हम मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है की करें तो, स्वस्थ और तंदरुस्त रहना हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। स्वस्थ्य रहने का अर्थ रोग रहित तन का होना ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त मन का होना भी है। यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।कुछ लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि शरीर को साफ-सुथरा और स्वस्थ कैसे रखा जाता है, लेकिन मन में घूम रही परेशानियों की वजह से उन्हें स्वस्थ रहने के लाभ नहीं मिल पाते हैं। मानसिक तनाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देता है। ऐसे में जरूरी है हम कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहें। इसके लिए आलस्य को त्यागकर ध्यान व व्यायाम दोनों का सहारा लिया जाना चाहिए। स्वस्थ मन से बनता है स्वस्थ तन, स्वस्थ तन से बनता है स्वस्थ जीवन और स्वस्थ जीवन से बनेगा स्वस्थ भारत

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ्य हैं !मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र से बढ़ी जीत हासिल की जा सकती है,तन और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी एक सूत्र है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

> अखबारों में हम अपनी रि केट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज

सुनील महला

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है।

नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3त्न अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423ङ्क425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50 फीसदी अधिक है और जोखिम को बढ़ा रही है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8641

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1.रमण योग्य-4
4.साल,वर्ष-3
6.बांया-2
7.राय,वोट-2
9.तकरार,कहासुनी-4
11.अंधकार,अंधेरा-3
12.सरल,आसान-3
13.चील,ईगल-2
14.देवदास की प्रेमिका-2
15.सूली,क्रूस-3
17.कारण-3
19.मन को हरने वाला-4
21.कार्य,काज-2
23.बाण,तीर-2
24.दबाना,कुचलना-3
25.हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.परंपरा,रीति-रिवाज-4
2.संस्कृत में 'मेरा'-2
3.भरोसा,विश्वास-3
4.दीदी,भगिनी-3
5.समान,एक जैसा-2
8.अंधेरा,अंधकार-3
9.बोरिया बिस्तर-4
10.रिहा-2
12.तालाब,जलाशय-4
15.तमीज,शिष्टता-3
16.मछली,एक राशि-2
18.ज्वरताप-4
19.चिंतन,विचार-3
20.रनिवास (उर्दू-3)
22.नशा,अभिमान-2
23.पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8640 का हल

गी	ला	■	गा	य	क	■	दी	प
ति	■	बा	ल	■	चा	बी	■	व
का	ज	ल	■	भा	■	ना	खू	न
■	ल	■	बा	व	न	■	न	■
स	म	त	ल	■	ख	ट	ख	ट
■	ह	■	क	रा	रा	■	रा	■
प	ल	क	■	वी	■	शा	बा	श
र	■	ला	ल	■	आ	प	■	ह
ख	त	■	ता	जु	ब	■	ती	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

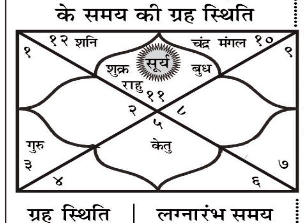

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.18 बजे से
चंद्र	मकर में	मीन	07.54 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.25 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.03 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.17 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.33 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.45 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.55 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.10 ब.से
3.00 से 4.30		धनु	02.26 बजे से
बजे तक		मकर	04.31 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 48 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** अमावस्या 17.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 21.16 बजे को समाप्त।
योग परिघ 00.29 बजे रात्र को समाप्त।
करण नाग 17.31 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 05.18 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872623
जूलियन दिन 2461088.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 28
विशेष दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया । सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीईओ ज़ेडपी ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण करते हुए ए ग्रेड मे आना सुनिश्चित करें । बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें ।बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत हाइवे पर मौजूद भारती रेस्टोरेंट के आगे खेत पर करंट क़ी चपेट में आने से स्थानीय युवक की मौत हो गई है,वही तड़पते युवक को बचाने गया पड़ोसी भी घायल बताया जा रहा है।मृतक की पहचान राहुल पिता मुन्ना कुशवाहा उम्र 17 वर्ष वार्ड क्रमांक 01 बताया जा रहा है,वही घायल की पहचान राघवेंद्र कुशवाहा उम्र 56 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 1 चंदिया बताया जा रहा है।बताया जाता है कि मृतक अपनी गाड़ी वाश कर रहा था,इसी बीच बिजली चली गई,युवक सामान्य हो गया,बाद में अचानक बिजली आ गई,जिस वजह से युवक करेंट की चपेट में आ गया और उसकी घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई।ये पूरी घटना दोपहर 2 बजे के करीब की बताई जा रही है।घटना के बाद घायल युवक को चंदिया अस्पताल लाया गया है,जहाँ उसका इलाज किया जा रहा है।

बजट क्वेस्ट संपन्न

उमरिया। भारत की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के लिए बजट क्वेस्ट 2026 एक अनूठा मंच है। मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, की यह पहल यूनियन बजट की जन - समझ बढ़ाना और युवा सहभागिता सुनिश्चित कर बजट को लोगों के जीवन से जोड़ने और उसे सरल व समझने योग्य बनाने का प्रयास है। यह क्विज वर्चुअल तौर पर मेरा युवा भारत (माई भारत, की वेबसाइट पर लाइव है। इसमें भाग लेकर राष्ट्रीय स्तरीय विजेताओं को माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से सीधे संवाद का अवसर प्राप्त किया जा सकता है। विजेता युवा अपने विचार सीधा देश के सर्वोच्च नेतृत्व के समक्ष साझा कर सकेंगे। जिला स्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिता 3 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर दिनांक 17 फरवरी 2026 तक चलेगी। भाग लेने के लिए उलईींतंजणहवअणपदळ्नप्र पर जाएं। 17 फरवरी को क्विज का परिणाम घोषित होंगे एवं देश के प्रत्येक जिले से चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु आगे बढ़ेंगे। मेरा युवा भारत कार्यालय उमरिया मध्य प्रदेश ने जिले के सभी युवाओं से आह्वान किया है कि वें अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़े एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं !! चरण इस प्रकार रहेंगे। प्रथम चरण (राष्ट्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी)- इसके प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन दिनांक 3 से 17 फरवरी तक मायभारत पोर्टल पर किया जावेगा जिसमें केंद्रीय बजट 2026 पर आधारित एकीकृत प्रश्नोत्तरी में सहभागिता हेतु माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। द्वितीय चरण- (निबंध लेखन)- इसके अन्तर्गत प्रथम चरण के विजेता केंद्रीय बजट 2026 के 08 विषय में से किसी एक विषय पर निबंध माय भारत पोर्टल पर 17 फरवरी से 03 मार्च 2026 तक अपलोड करेंगे जिसका मूल्यांकन दिनांक 03 से 10 मार्च 2026 तक किया जायेगा । तृतीय चरण- द्वितीय चरण के विजेता केंद्रीय बजट 2026 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डिजिटल संवाद में अपने दृष्टिकोण और विचार प्रस्तुत करेंगे।

सप्त दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन 18 से

सीधी। जमुनिहा नम्बर 2 में प्रदीप शुक्ला अध्यक्ष सहकारिता एवं उद्योग जिला पंचायत सीधी के निज निवास में युग तुलसी परमपूज्य रामकिंकर महाराज के विशेष कृपापात्र शिष्य एवं रामकिंकर विचार मिशन के परमाध्यक्ष श्रद्धेय सन्त स्वामी मैथिलीशरण महाराज ऋषिकेश के श्रीमुख से निस्सृत मंगलमयी श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। ग्राम्यांचल की श्रीरामकथा का यह प्रथम सोपान है। अतः ग्रामीण अंचल के सभी प्रबुद्ध एवं रामकथा रसिक जनों को सादर आमंत्रित करते हुए विनम्र निवेदन है कि आप अपने इष्ट मित्रों सहित इस दिव्य एवं मंगलमयी श्रीराम कथा का रसपान करने का कष्ट करें।कथा के प्रारंभ में दोपहर 3 बजे से 3:30 तक अनिल पाठक एवं विक्रम मिश्र की मधुर वाणी में आप सब भक्ति संगीत का आनन्द ले सकते हैं एवं ठीक 3:30 बजे से 5:30 तक महाराजश्री के श्रीमुख से श्रीराम कथा की रसमाधुरी का पान कर सकते हैं। कृपया समय से पधारकर अपना स्थान ग्रहण करने का कष्ट करें। सप्त दिवसीय श्रीराम कथा 18 फरवरी से 24 फरवरी तक निरंतर जारी रहेगी। श्रीराम कथा श्रवण का सहज सुलभ संयोग ग्रामीण जनों को प्राप्त होगा। आयोजन समिति ने श्रीराम कथा की सम्पूर्ण तैयारी पूर्ण कर ली है।

अमलेश्वर धाम में महाशिवरात्रि पर निकली भव्य शिव बारात

गूंजे हर हर महादेव की जयकारे, कन्या भोज के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

विजय मत, उमरिया

जिले एवं डिंडोरी जिले के बीच स्थित में अमोल आश्रम धाम स्थित है बिगत वषों की भांति इस वर्ष महाशिवरात्रि पावन अवसर 15 फरवरी को पंच दशा नाम जूना अखाड़े का ध्वजारोहण श्री श्री 1008 श्री भगत गिरी (बच्चू महाराज)महाराज जी द्वारा ध्वजा रोहण, किया गया। विष्णु महायज्ञ एवं विष्णु महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है विष्णु महायज्ञ एवं विष्णु महापुराण कथा पूर्णाहुति ,के बाद कन्या भोज ब्राह्मण भोज के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । महाशिवरात्रि पावन अवसर पर अमलेश्वर धाम में सांयकालीन भोलेनाथ की भव्य बारात धूमधाम से निकाली गई । यह प्राचीन कैलाश गुफा से गाजे -बाजे ,ढोल -नगाड़ों ,और नाचते गाते श्रद्धालुओं के साथ शिवजी की बारात भ्रमण कर निकली, बारात में देवी देवताओं भूत प्रेतों के बेस में भक्त शामिल हुए,जिसने माहौल को पूरी तरह शिवमय बना दिया। यह बारात चलकर यज्ञ शाला पहुंची । वहां भगवान भोलेनाथ के साथ मां पार्वती, मां गंगा सहित अन्य देवी देवताओं के जीवंत दर्शन किया गया ,और झांकियां अद्भुत आकर्षण का केंद्र रही,, साथ ही भूत प्रेत नंदी बाबा भक्तों का मनमोहन लिया, और अमलेश्वर धाम के संत श्री रतन गिरी महाराज जी, सानिध्य में संत महात्माओं द्वारा बारात में दूर-दराज से आए हुए संत महात्माओं ने तांडव नृत्य किया,और वहीं पधारकर शिव विवाह विधिवत वेद मंत्रों से उच्चारण कर शिव पार्वती का विवाह संपन्न कराया गया। महाशिवरात्रि पवन अवसर पर भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया, जहां भक्त दूध, दही ,शहद ,और चंदन विधिवत वेद मंत्रों से उच्चारण कर अभिषेक कराया ।इसके बाद महाराज जी द्वारा अमृतमयी वाणी से आए हुए अमोल आश्रम धाम में भक्त जनों को आशीर्वाद स्वरूप दिया , और वहीं हजारों की संख्या में उमड़े श्रद्धालु श्हर हर महादेव श्के जयकारे लगाते हुए बारात में शामिल हुए। इस अवसर पर पूरा अमृतसर धाम शिव भक्ति के रंग में डूबा नजर आया।

महाशिवरात्रि पर हिंदू मुस्लिम एकता मंच द्वारा भगवान शिव जी की बारात का किया गया भव्य स्वागत

विजय मत, उमरिया

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हिंदू मुस्लिम एकता मंच द्वारा भगवान शिव जी एवं माता पार्वती जी की दिव्य बारात का भव्य स्वागत किया गया। भगवान शिव जी की बारात शिवशक्ति धाम से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करती हुई सागरेश्वर धाम में संपन्न होगी। नगर के जय स्तंभ चौक पर हिंदू मुस्लिम एकता मंच के सदस्यों ने बारातियों पर पुष्प वर्षा कर एवं भगवान शिव जी व माता पार्वती जी को पुष्पमाला अर्पित कर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर शिव भक्तों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। हिंदू मुस्लिम एकता मंच के संस्थापक मो. असलम शेर ने अपने संबोधन में कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंच द्वारा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान शिव की बारात का भव्य स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा मंच सदैव सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और आपसी एकता का संदेश देता आया है। महाशिवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर हम सभी मिलकर भगवान शिव से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

जिला अधिवक्ता संघ उमरिया ने सौंपा ज्ञापन

विजय मत, उमरिया

शिवपुरी जिले के करेरा के अधिवक्ता संजय सक्सेना की गोली मार कर हत्या के विरोध में मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर द्वारा पूरे पूरे प्रदेश सहित जिले उमरिया के जिला अधिवक्ता संघ उमरिया मप्र द्वारा वक्तलत कार्य से पृथक रह कर प्रतिवाद दिवस मनाया और मुख्यमंत्री मप्र के नाम का ज्ञापन कलेक्टर उमरिया को सौंपा जिसमें तत्काल प्रदेश के वकीलों के हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया गया । ज्ञापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सचिव सुख बदन महोदय से सचिव राजीव सिंह कोषाध्यक्ष रामकृष्ण उपाध्याय अधिवक्ता रिजवान अहमद सिद्दीकी देवानंद सहदेव देव बहादुर सिंह तरुण कुमार पांडे, डी पी सिंह,ओंकार प्रसाद तिवारी वेंकटेश पुरी गोस्वामी राकेश गुप्ता धंसाह यादव,विवेक तिवारी संदीप शर्मा भोलाराम यादव से इजरायल भास्कर द्विवेदी कौशल सिंह राणा अनिल सिंह अशोक सिंह रविकांत शर्मा भीष्म सिंह विनय सोनी आशीष सिंह,लालमणि यादव इंद्रजीत सिंह दिनेश सिंह, श्रेयश सिंह, सुषमा मिश्रा, सुरेश रजक अजय कुमार गुप्ता, हर्ष सिंह परिहार, अजय कुमार मिश्रा, मुखियार खान , प्रवीण पाण्डेय, शिवम रजक, अशोक रजक, निहाल त्रिपाठी, नाबार्ड राय, संजय वाधवानी, पुरुषोत्तम राय, शेख कयूम, सहित भरी संख्या में अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

हायर सेकेण्डरी कि संस्कृत विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। जिले में हायर सेकेण्डरी संस्कृत विषय की परीक्षा 16 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न हुई। परीक्षा में कुल दर्ज 338 विद्यार्थियो में से 335 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी वही 03 छात्र अनुपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी मण्डल परीक्षा अभय सिंह द्वारा मण्डल के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्रों में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों द्वारा प्रश्नपत्र थाने से निकालने एवं परीक्षा केन्द्र तक ले जाने व परीक्षा केन्द्र में मोबाईल एप के माध्यम से किये जाने वाले कार्य की मॉनीटरिंग की गई व समय पर सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा प्रारंभ होने के उपरांत निर्धारित प्रारूप में जानकारी माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल की ओर भेजने के निर्देश दिये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा मण्डल परीक्षा से संबंधित समस्त गतिविधियों पर सतत् निगरानी रखते हुये निरंतर सभी कार्यों की मॉनीटरिंग प्रतिदिन की जा रही है।

भीषण सडक हादसे मे घायल कि उपचार के दौरान मौत

विजय मत, उमरिया

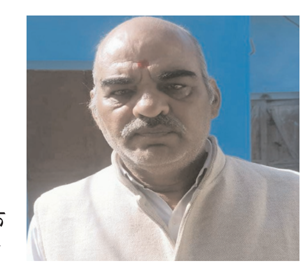

उमरिया हाइवे स्थित राजवी ढाबा के पास हुए भीषण सड़क हादसे ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं।चंदिया के चतुर्वेदी मोहल्ला निवासी राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी उर्फ राजू चौबे ने रविवार की सुबह जबलपुर के नेशनल हॉस्पिटल में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली।उनके निधन की खबर से चंदिया नगर में शोक की लहर दौड़ गई है।गौरतलब है कि 3 फरवरी को राजवी ढाबा के समीप इंडिगो कार और मालवाहक वाहन के बीच जोरदार भिड़ंत हुई थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चंदिया निवासी अतुल अग्रवाल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, सीपू अग्रवाल एवं पथरहटा निवासी राजेश जैसवाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे,जिनका प्राथमिक उपचार कर जबलपुर रेफेर किया गया था।राजेन्द्र चतुर्वेदी की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई थी,जिन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया था।कई दिनों तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद रविवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया।वहीं इस हादसे में घायल सीपू अग्रवाल और राजेश जैसवाल की हालत में सुधार होने पर उन्हें पूर्व में ही घर भेज दिया गया था।

दायित्व वोध एवं पार्टी रीति नीति से करें कार्यक्रमों का क्रियान्वयन - नरेंद्र त्रिपाठी

संगठन प्रभारी के आगमन से कार्य को मिलेगी तीव्र गति - देव कुमार

विजय मत, सीधी

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला संगठन प्रभारी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और सतना जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी के प्रथम नगर आगमन पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठके एवं भव्य अभिनंदन कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। विभिन्न श्रेणी की बैठके जिला पदाधिकारी, मोर्चा एवं मंडल के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए नव नियुक्त जिला संगठन प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि दायित्वोध एवं पार्टी की रीति नीति से पार्टी द्वारा दिए गए सभी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक सुनिश्चित करें।
जिला संगठन प्रभारी श्री त्रिपाठी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। जहां परिक्रमा नहीं, पराक्रम से दायित्व मिलते हैं। पार्टी के प्रति निष्ठा, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं दायित्वोध पार्टी में बड़ी से बड़ी जिम्मेवारी मिलने के कारक हैं। जिला संगठन प्रभारी श्री त्रिपाठी ने विभिन्न संस्मरण एवं उदाहरणों के माध्यम से पार्टी पदाधिकारी एवं मोर्चा अध्यक्षों में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया।भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा कि नवनियुक्त जिला संगठन प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी जी के आगमन से पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। आपके मार्गदर्शन से जिले की भारतीय जनता पार्टी एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। संगठन प्रभारी श्री त्रिपाठी के आगमन से कार्य को तीव्र गति मिलेगी। गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की व्यापक चर्चा की। इसके पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अगुवाई में नवनियुक्त जिला संगठन प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी का माल्यार्पण पुष्प कुछ से शानदार अभिनंदन हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल, विश्व बंधु धर द्विवेदी, उषा गोपाल पटेल, शिवदान साकेत, अखिलेश पांडे, जिला महामंत्री चंद्रपाल सिंह उइके, लोरिक प्रसाद यादव, जिला मंत्री उर्मिला साकेत, उमाशंकर यादव, कपूर चंद्र साहू, कार्यालय मंत्री पुनीत पाण्डेय, संदीप सिंह गहरवार, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, जय शंकर प्रसाद द्विवेदी, नीरज मिश्रा, रजनीश शुक्ला, प्रमोद सिंह, हीरा सिंह गौड़, विनोद पटेल, बुद्ध सेन साहू, विजय शंकर शुक्ला, विमल सिंह सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न श्रेणी की बैठकों में शामिल रहे।

जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई । जिला खनिज अधिकारी डा विद्याकांत तिवारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 मे माह अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक के लिए 80.93 करोड रूपये का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसमें से 41.74 करोड रूपये कि राशि वसूल कर ली गई है । इसी तरह जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की समीक्षा की गई जिस पर बताया गया कि अवैध उत्खनन के 36 प्रकरणों का निराकरण 14.40 लाख रूपये, अवैध परिवहन के 110 प्रकरणो में से 83 का निराकरण कर 43.01 लाख रूपये तथा अवैध भंडारण के 4 प्रकरणो मे से 2 प्रकरणों का निराकरण कर 0.58 लाख रूपये की वसूली की गई है ।

सीईओ जिला पंचायत की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न

विजय मत, उमरिया

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आभा आईडी, सक्षम आंगनबाडी, ऐसे सक्षम आंगनबाडी केंद्र जहां पर बिजली की उपलब्धता के बावजूद बिजली चालू नही है, सक्षम आंगनबाडी केंद्रो में जल जीवन मिशन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय व्दारा टंकी एवं नल कनेक्शन की स्थिति, आंगनबाडी केंद्रों में बिजली व्यवस्था, पीएचई विभाग व्दारा आंगनवाड़ी केंद्रो पर नल जल व्यवस्था, नवीन चिन्हित गंभीर कुपोशित बच्चो की स्थिति, संपर्क ऐप में पंजीकृत हितग्राही का समग्र सत्यापन, फेस रिकग्निशन सिस्टम की प्रगति, टीएचआर वितरण की समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को आंगनबाडी केंद्रो में पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संपर्क ऐप में पंजीकृत हितग्राही का समग्र सत्यापन की समीक्षा के दौरान अपेक्षाकृत प्रगति कम पाई गई। जिस पर उन्होने नाराजगी प्रकट करते हुए सीडीपीओ से कहा कि सेक्टर स्तर पर बैठक आयोजित करते हुए कार्य पर प्रगति लाए। उन्होने कहा कि जिले में आने वाले टीएचआर की सूचना संबंधित क्षेत्र के एसडीएम अथवा तहसीलदार को देना सुनिश्चित करें । सुपरवाईजरों से कहा कि आंगनबाडी केंद्रो में आने वाले बच्चों को सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का भोजन मीनू के अनुसार वितरित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ,एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता, परियोजना अधिकारी उमरिया, पाली, मानपुर सहित सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

कार्यवाही

उच्च न्यायालय में तीसरी बार जमानत आवेदन निरस्त

पार्षद की पांचवीं बार जमानत याचिका खारिज

विजय मत, सीधी

नगर परिषद मझौली के वार्ड क्रमांक 8 से नव निर्वाचित पार्षद हितेश गुप्ता को काली कमाई करना भारी पड़ गया है जो पुलिस गिरिफ्तारी से बचने दो वर्षों से फरारी काटते हुए लगातार अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं लेकिन पांचवीं बार भी उन्हें राहत नहीं मिली है। उच्च न्यायालय के देवनारायण मिश्रा की अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने का हवाला देते हुए यह जजमेंट दिया है।बताते चलें कि नगर क्षेत्र मझौली वार्ड क्रमांक 8 से भाजपा पार्षद हितेश गुप्ता विचौलियो के चंगुल में फस कर पार्टी से बगावत कर काली कमाई के चक्कर में अब पुलिस से बचने लगभग दो वर्षों से फरारी काट रहे हैं। अग्रिम जमानत के लिए दो बार जिला न्यायालय में आवेदन लगा चुके थे जिसमें एक बार खारिज कर दिया गया था एक बार वापस लेने पर खारिज किया गया था। इसके उपरांत उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया गया जहां तीसरी बार लगाई गई अग्रिम जमानत याचिका देवनारायण मिश्रा की अदालत में खारिज की गई है। विदित हो कि हितेश गुप्ता व अन्य दो लोगों के खिलाफ मझौली थाने में अपराध क्रमांक 1126/2024 बीएनएस की धारा 318(4), 338,336(3),340 (2), एवं 3(5) कायम किया गया था। गिरफ्तारी से बचने आरोपी लगातार लगभग दो वर्षों से फरारी काटते हुए अग्रिम जमानत के फिराक में लगे हुए है। जिसकी तीसरी बार अग्रिम जमानत याचिका खारिच की गई है। पहली जमानत याचिका जिसका एम सीआर सी नम्बर 13045/2025 है 2 अप्रैल 2025 को अच्छा दोष के आधार पर खारिच किया गया था। दूसरी जमानत याचिका जिसका एम सी आर सी नम्बर 20524/2025 20 जुलाई 2025 को वापस लेने के कारण खारिज किया गया था। तीसरी जमानत याचिका जिसका एमसी आरसी नंबर 6371/2026 है मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की खंडपीठ में दायर की गई थी। यहां से भी यह जजमेंट देते हुए कि पिछले दो जमानत याचिका जिसमें एक गुण दोष, दूसरा वापस लेने के कारण खारिज की जा चुकी है। इन तथ्यों, परिस्थितियों तथा आरोपों देखते हुए हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता हो सकती है के आधार पर अग्रिम जमानत आवेदन खारिज किया गया है।

जिले के दस कृषकों को अनुसंधान केंद्र बनारस उप्र के लिए किया गया रवाना

उमरिया । केंद्र शासित योजना अंतर्गत एमआईडीएच के घटक कृशक प्रशिक्षण सह तीन दिवसीय भ्रमण पर भारतीय सब्जी अनुसंधान केंद्र वणारसी बनारस उत्तरप्रदेश के लिए जिले के 10 कृशको को सब्जी की उन्नत खेती एवं नवीन तकनीकी प्रशिक्षण के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर कृशको के रथ को सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

न्यायालय तहसीलदार तहसील जयसिंहनगर जिला-शहडोल म0प्र0

रा0प्र0क0 दिनांक

आम इश्तहार / सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल लवकुश पिता प्रमोद साहू नावा0 सरपरस्त पिता प्रमोद साहू निवासी पसौढ़ तहसील जयसिंहनगर द्वारा ग्राम पसौंढ़ प0ह0 पसौंढ़ तहसील जयसिंहनगर जिला शहडोल म0प्र0 स्थित आराजी खसरा नं0 317 रकवा 0.275 हे0, 318 रकवा 0.251 हे0, 326 रकवा 1.121 हे0, 327 रकवा 0.210 हे0 भूमि के भूमिस्वामी गंगा पिता टिहकू तेली के फौत होने से वसीयत नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे पेशी दिनांक 23/2/26 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर स्वयं अथवा अपने विधिक के द्वारा आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

जारी दिनांक:18/2/26
ता0पे0:25/2/26

तहसीलदार
तहसील -जयसिंहगर
जिला- शहडोल (म0प्र0)

संभागीय मुख्यालय की कृषि उपज मंडी में अव्यवस्था

लाखों की लागत से बने दो शेड बेकार, कॉम्प्लेक्स के बरामदों में अतिक्रमण से व्यवस्था ध्वस्त

विजय मत, शहडोल

शहडोल संभागीय मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां लाखों रुपये की शासकीय राशि से निर्मित दो विशाल शेड वर्षों बाद भी उपयोग में नहीं आ सके हैं। किसानों की सुविधा और सुचारू नीलामी व्यवस्था के उद्देश्य से बनाए गए ये शेड अब खामोश खड़े हैं। वहीं मंडी परिसर में बने कॉम्प्लेक्स के बरामदों पर दीवारें खड़ी कर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे न केवल आवागमन बाधित हो रहा है बल्कि मंडी की मूल संरचना भी प्रभावित हो रही है।

योजना बनी, पर नहीं जुटे खरीदार

करीब डेढ़ दशक पूर्व मंडी प्रशासन द्वारा दो बड़े शेड का निर्माण कराया गया था, ताकि किसान अपनी उपज लाकर यहां आसानी से बिक्री और नीलामी कर सकें। इनमें से एक शेड का निर्माण प्रदेश सरकार की भावांतर योजना के तहत कराया गया था। उद्देश्य था कि किसानों को खुले में उपज रखने की समस्या से राहत मिले और व्यवस्थित तरीके से खरीदी हो सके।

दोनों शेड आज तक उपयोग में नहीं

हालांकि स्थिति यह है कि दोनों शेड आज तक उपयोग में नहीं आए। मंडी में किसानों की उपज ही पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच रही। किसानों का कहना है कि मंडी में खरीदारों की उपस्थिति नहीं रहती, जिससे उन्हें अपनी उपज बेचने में कठिनाई होती है। परिणामस्वरूप वे अन्य स्थानों पर निजी व्यापारियों को उपज बेचने को मजबूर होते हैं।

प्रयासों पर उठे सवाल

सूत्रों का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप मंडी प्रशासन द्वारा ठोस प्रयास नहीं किए गए, जिससे किसान यहां आकर लाभ उठा सकें। प्रचार-प्रसार, खरीदारों की उपलब्धता और सुविधाओं के समुचित संचालन की कमी के चलते मंडी की गतिविधियां सीमित रह गई हैं। ऐसे में लाखों रुपये की लागत से बने दोनों शेड अब केवल ढांचों के रूप में खड़े दिखाई देते हैं।

बरामदों में दीवारें, गलियारे बने दुकान

मंडी परिसर में अव्यवस्था का दूसरा पहलू अतिक्रमण के रूप में सामने आया है। पानी की टंकी के सामने और पीछे बने दो दर्जन से अधिक दुकानों वाले कॉम्प्लेक्स के बरामदे, जो आवागमन के लिए बनाए गए थे, अब दुकानों का रूप ले चुके हैं। नीलामी प्रक्रिया के तहत दुकानों का आवंटन किया गया था, जबकि बरामदे खुले रखने थे। लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के बीच दुकानों के सामने दीवारें खड़ी कर बरामदों को स्थायी दुकान में बदल दिया गया। इससे गलियारों की चौड़ाई कम हो गई है और मंडी परिसर की आवाजाही प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार इन अतिक्रमणों को चिन्हित भी किया गया है, फिर भी हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है।

न्यूज इन शॉर्ट

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जोन स्तरीय शिविरो का आयोजन आज से

शहडोल। संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रथम चरण में घर-घर संपर्क कर प्राप्त आवेदनो का निराकरण करने हेतु शासन के निर्देशानुसार जोन स्तरीय शिविरो का आयोजन 17 फरवरी से प्रारंभ किया जाएगा। जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायत खन्नौधी में पंचायत भवन में जोन स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसके नोड्ल अधिकारी तहसीलदार गोहपारू श्रीमती दिव्या सिंह है। इस शिविर में ग्राम पंचायत अकुरी, खन्नौधी, खांड, खोहरी, ददरा टोला बरहा, विशनपुरवा, मलमथर, सेमरा तथा सारना ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदनो का निराकरण किया जाएगा। इसी तरह बुढार जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरौडी के पंचायत भवन में जोन स्तरीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसके नोड्ल अधिकारी तहसीलदार बुढार श्री सुमित गुर्जर है। इस शिविर में कदौडी, कुम्हेडी, कोहरा, गलहथा, जैतपुर, नवाटोला, नकपुरा, पैरीबहरा, बलभद्रपुर-1, बिरौडी परूहा, भोगडा, तथा साखी ग्राम पंचायतों में प्राप्त आवेदनो का निराकरण किया जाएगा। इसी तरह नगरीय निकायो के तहत नगरपालिका शहडोल अंतर्गत जय स्तंभ चौक के पास शहडोल वार्ड नम्बर 15 चंद्रशेखर आजाद वार्ड में शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसकी प्रभारी अधिकारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी होगी। इस शिविर में वार्ड नम्बर 1,10,11,12, 13, 14 15,02,03,04,05,06,07,08 तथा वार्ड नम्बर 9 में प्राप्त आवेदनो का निराकरण किया जाएगा।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से शहडोल जिले के जयसिंहनगर के वार्ड नम्बर 8 निवासी महेश कुमार केवट को उपचार हेतु 30 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत 17797 आवेदनों का किया गया निराकरण

शहडोल। पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 18899 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 17797 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया हैं, निराकरण का प्रतिशत 94.17 है। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 2108 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2052 आवेदनों का निराकरण किया गया।, जनपद पंचायत सोहागपुर में 2751 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2530 आवेदनों का निराकरण किया गया। जनपद पंचायत गोहपारू में 1608 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1238 आवेदनों का निराकरण किया गया। जनपद पंचायत बुढ़ार में 2903 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 2685 आवेदनों का निराकरण किया गया।

इसी प्रकार नगरीय निकायों में नगरपालिका शहडोल में 1512 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1511 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपालिका धनपुरी में 1567 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1562 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद ब्यौहारी में 928 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 928 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद बकहो में 1163 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 1129 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद खांड में 180 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 179 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद बुढ़ार में 197 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 178 आवेदनों का निराकरण किया गया। नगरपरिषद जयसिंहनगर में 97 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 94 आवेदनों का निराकरण किया गया।

कलेक्टर ने लापरवाही पूर्वक कामर्शियल वाहन चलाने वाले चालकों के ड्रायविंग लाइसेंस निरस्त करने के दिये निर्देश

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर कलेक्टर द्वारा विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण विभाग, नगरीय निकाय तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लापरवाहीपूर्वक कमर्शियल वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने तथा बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में दोपहिया वाहन दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने सभी टू-व्हीलर वाहन डीलरों को निर्देशित किया कि वाहन विक्रय के समय क्रेता को अनिवार्य रूप से हेलमेट उपलब्ध कराया जाए तथा बिना हेलमेट वाहन सुपुर्द न किया जाए। कलेक्टर ने गोल्डन ऑवर में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाकर जीवन रक्षा करने वाले लोगों को राहवीर योजना अंतर्गत 25 हजार रूपए के नगद पुरूस्कार हेतु प्रस्ताव भेजने तथा दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में सुरक्षित यातायात के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधार कार्य कराने, प्रमुख चौराहों पर संकेतक बोर्ड एवं स्पीड ब्रेकर लगाने और रात्रि में रिफ्लेक्टर व रोड मार्किंग सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घनाग्रस्त व्यक्ति को मौत से बचाने प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। आपने जिले के उच्च धनत्व वाले मार्गों, क्रिटिकल जंक्सन एवं हाई रिस्क जोन में जिले के सड़कों को विभाजित कर संयुक्त दल द्वारा भ्रमण करते हुए दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। आपने कहा कि जिले में ब्यौहारी जयसिंहनगर, खन्नौधी, गोहपारू, शहडोल एवं बुढ़ार में नगर से मार्ग गुजरते हैं। जहां यातायात का अत्याधिक दबाव रहता है। इन स्थानों में जेब्रा क्रासिंग बनाए जाएं। यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल ने बताया कि जिले में कुछ स्पॉट ऐसे है। जहां दुर्घटना होने पर सीरियश एन्जुरी होती है को चिन्हित कर आवश्यक सुधार एवं ऐतिहात बरतने की कार्यवाही की जाएगी। शहडोल नगर के गांधी चौराहा को स्क्वायर चौराहा के रूप में विकसित कर यातायात व्यवस्थित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

क्षेत्र के रेत माफियाओं को पुलिस दे रही संरक्षण

अबैध उत्खनन व भंडारण की शिकायत पर पुलिस ने शिकायत कर्ता के ही विरुद्ध कर दी कार्यवाही

विजय मत, ब्योहारी

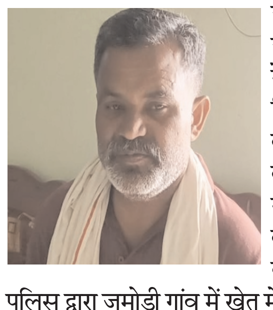

जनपद के ग्राम जमोड़ी में अवैध रेत उत्खनन कर निजी पट्टे आराजी की भूमि में भंडारित करने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन मे करने के महीनों बाद ब्योहारी थाने की पुलिस द्वारा जमोड़ी गांव में खेत में रखी अबैध रेत के विरुद्ध कार्यवाही की गई और शिकायत कर्ता हूं स्वामी के बड़े भाई को आरोपी बनाया गया जबकि मौके में ग्रामीण पुलिस को रेत किसके द्वारा निकाली और भंडारित की गई है बताया जा रहा था। लेकिन पुलिस बताई जा रही सभी बातों को अनसुना कर जबरन शिकायतकर्ता को ही आरोपी बना दिया। जबकि 28 दिसंबर 2025 को भू स्वामी ने सीएम हेल्पलाइन मे इस बात की शिकायत की थी कि मेरी पुस्तैनी पट्टे की जमीन में गांव के ही रेत माफिया द्वारा अबैध रेत भंडारित किया जा रहा है। मना करने पर गाली गलौज की जाती है। जिसका सीएम हेल्पलाइन मे शिकायत नंबर- 36072559. है। इसके बाद भी पुलिस ने कार्यवाही के नाम पर शिकायतकर्ता पर ही कार्यवाही कर दी गई। जिससे पुलिस की मंशा और नियत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

रेत माफिया द्वारा गांव की जीवन दायिनी नदियों समधिन और झुरही नदी से अनवरत अवैध रेत उत्खनन का काम गांव के रेत माफिया द्वारा किया जा रहा है। रेत को ग्रामीणों के पट्टे की आराजी में भंडारित किया जाता है। जब ग्रामीणों के द्वारा अबैध रेत भंडारण की शिकायत जिम्मेदारों से की जाती है।तो पुलिस द्वारा उल्टा शिकायत कर्ता के विरुद्ध ही मामला दर्ज किया जाता है। इससे स्पष्ट है कि यहां की पुलिस रेत माफिया से मिली हुई है। और रेत माफिया को संरक्षित कर ग्रामीणों पर ही दबाव बनाया जाकर उल्टा शिकायतकर्ता को ही आरोपी बना अपने कृत्य पर पर्दा डाल रही है। थाना प्रभारी जियाउल हक कथन - जिसकी जमीन में अवैध रेत मिलेगी आरोपी तो उसी को बनाया जाएगा। यदि वो यह सिद्ध कर दे की रेत किसी दूसरे ने भंडारित कर रखी है तो उसे भी आरोपी बनाया जाएगा।

सीईओ जिला पंचायत ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

विजय मत, शहडोल

सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिक न होकर संतोषजनक एवं उच्च गुणवत्ता का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे, इसके लिए मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपा जाए। साथ ही जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्रीमती गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

---

5 जिलों से 15 आरोपी गिरफ्तार, जिंदा पेंगोलिन व तेंदुए की खाल जब्त

पेंगोलिन तस्करी गिरोह पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

विजय मत, शहडोल

वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन एवं वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे तथा उप वनमण्डलाधिकारी जैतपुर विनोद जाखड़ के मार्गदर्शन में वन विभाग ने पेंगोलिन के अवैध व्यापार में संलिप्त अंतरजिला गिरोह पर बड़ी कार्रवाई की है।

27 अक्टूबर 2025 को प्राप्त सूचना के आधार पर वन परिक्षेत्र जैतपुर में दर्ज वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20456/11 के तहत वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रारंभिक कार्रवाई में शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी और जबलपुर जिलों से कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

जांच के दौरान 19 जनवरी 2026 को जिला सिवनी से दो आरोपियों को तेंदुए की खाल के साथ पकड़ा गया। इसके बाद 10 फरवरी 2026 को जिला दमोह से एक आरोपी को जिंदा पेंगोलिन सहित तथा उसी दिन जिला कटनी से पांच आरोपियों को एक जिंदा पेंगोलिन के साथ गिरफ्तार किया गया। मुखबिर की सूचना पर गठित विशेष टीम ने थाना सिहोरा (जबलपुर) क्षेत्र में कुर्रे मार्ग रेलवे अंडरब्रिज के पास घेराबंदी कर चार आरोपियों को एक मारुति सुजुकी वाहन से जिंदा पेंगोलिन के साथ पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों द्वारा पेंगोलिन को बिक्री हेतु लाने की बात स्वीकार की गई। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस व्यापक कार्रवाई में विवेचक अधिकारी जसवंत सिंह मीणा सहित वन विभाग की विभिन्न परिक्षेत्र टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन

मेडिकल कॉलेज चौराहे पर सुरक्षा इंतजाम नदारद, रोज हो रहे सड़क हादसे, प्रशासनिक लापरवाही से लगातार हो रही सड़क

मेडिकल कॉलेज चौराहा बना दुर्घटनाओं का खतरनाक अड्डा

विजय मत, शहडोल

संभागीय मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज चौराहा इन दिनों लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के कारण चर्चा में है। शहर के इस व्यस्त और महत्वपूर्ण चौराहे पर सुरक्षा के ठोस इंतजाम न होने से आम नागरिकों की जान जोखिम में पड़ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की अनदेखी के कारण यह चौराहा हादसों का केंद्र बन चुका है। मेडिकल कॉलेज से बस स्टैंड और अन्य प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाला यह चौराहा दिनभर भारी यातायात से भरा रहता है। बावजूद इसके यहां न तो स्पष्ट चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं और न ही ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती है। ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था भी वर्षों से ठप पड़ी है।

चेतावनी संकेतों की कमी बनी हादसों की वजह

हाल ही में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे ठेलों में जा घुसी। बताया जाता है कि चालक को चौराहे की स्पष्ट पहचान और चेतावनी संकेत न होने के कारण यह समझ नहीं आया कि वह खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। उसी दौरान मेडिकल कॉलेज से बस स्टैंड की ओर जा रही एक स्कूटी सवार युवती को बचाने के प्रयास में कार ठेले से टकरा गई। इस हादसे में एक सहायक उप निरीक्षक सहित स्कूटी सवार घायल हो गई थी।

जिम्मेदार विभाग केवल बैठकों और अभियानों तक सीमित

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। उनके अनुसार, आए दिन यहां छोटे-बड़े हादसे होते रहते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल बैठकों और अभियानों तक सीमित हैं। सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, पर जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं आता।

दिशा-सूचक बोर्ड ढके, बाहरी लोग हो रहे भ्रमित

चौराहे पर मेडिकल कॉलेज के दिशा-सूचक बोर्ड भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते। आरोप है कि निजी क्लीनिक और कैफे संचालकों द्वारा इन्हें आंशिक रूप से ढक दिया गया है, जिससे बाहर से आने वाले वाहन चालकों को मार्ग समझने में दिक्कत होती है। इससे अचानक ब्रेक लगाने और टकराव की आशंका बढ़ जाती है।

रविवार को फिर हुई टक्कर, वाहन चालक फरार

रविवार को भी चौराहे पर एक और दुर्घटना हुई। बाइक सवार राम सिंह मेडिकल कॉलेज की ओर मुड़ रहे थे, तभी तेज गति से आई एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। राम के अनुसार, मोड़ के कारण उन्हें कार के आने का अंदाजा नहीं हो पाया। टक्कर के बाद जब उन्होंने वाहन रोकने के लिए आवाज लगाई, तब तक चालक मौके से फरार हो चुका था। हादसे में राम को आंशिक चोटें आईं, जबकि उनकी स्कूटी का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

दुर्घटनाओं पर अंकुश नही

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चौराहे पर स्पीड ब्रेकर, स्पष्ट संकेतक, सीसीटीवी कैमरे और नियमित यातायात पुलिस की तैनाती आवश्यक है, ताकि तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाया जा सके और लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

संकल्प से समाधान अभियान का दूसरा चरण आज से

क्लस्टर स्तर पर आयोजित किए जाएंगे समाधान शिविर

विजय मत, शहडोल

सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि शासन द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित 106 योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने के उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रथम चरण में घर-घर संपर्क कर शिकायतें प्राप्त की गईं तथा उनका निराकरण भी स्थानीय निकायों एवं विभागों द्वारा किया गया है। संकल्प से समाधान अभियान का दूसरा चरण जिले में 17 फरवरी से प्रारंभ हो रहा है। इस चरण में क्लस्टर स्तर पर शिविर लगाकर शिकायतों का निराकरण किया जाना है। इसके साथ ही जो हितग्राही प्रथम चरण के अभियान में अपनी शिकायतें नहीं दर्ज करा पाए है। उनकी शिकायतें भी दर्ज की जा सकेंगी। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि जिन पंचायतों अथवा नगरीय वार्डों में कम शिकायतें प्राप्त हुई हैं, वहां अभियान की जानकारी देकर शिकायतें प्राप्त की जाएं।

प्राप्त शिकायतों का क्लस्टर स्तर पर निराकरण भी किया जाए। जिन शिकायतों का निराकरण इन शिविरों से संभव नहीं होगा उनका निराकरण तीसरे चरण में जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के माध्यम से किया जाएगा। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा, श्रीमती गैलेक्सी नागपुरे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अफगानिस्तान की इस टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत, यूएई को 5 विकेट से हराया

मुम्बई, एजेंसी

टी20 विश्वकप ~ अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली । अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया। ।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

इब्राहिम जादरान ने 53 रन बनाए: टारगटे का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। उनके अलावा अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 40, दरविश रसूली ने 33, सेदिकुल्लाह अटल 16 और गुलबदीन नाईब 13 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज खाता भी नहीं खोल सके।८श्व के लिए मुहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए। मुहम्मद जवादुल्लाह को 1 विकेट मिला। सोहैब खान ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 48 बॉल पर 68 रन की पारी खेली। उनके अलावा अलीशान शराफू 31 बॉल पर 40 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने 4 और मुजीब उर रहमान ने 2 विकेट लिए।

राशिद खान को 1 विकेट मिला। इसी के साथ उनके टी-20 करियर में 700 विकेट पूरे हो गए। उधर, श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है।

आईपीएल मैचों को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। कर्नाटक के डिप्टी चीफ़ मिनिस्टर डीके शिवकुमार ने कहा कि जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू किया जाएगा, जिसमें टिकटिंग, भीड़ को कंट्रोल करने और स्टेडियम में आने-जाने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा।शिवकुमार ने बेंगलुरु और कर्नाटक के क्रिकेट लवर्स के लिए अच्छी खबर। खेल और उसके फ़ैन्स के फ़ायदे में, कैबिनेट ने आज चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच कराने की इजाज़त देने का एक ज़रूरी फ़ैसला लिया है, जिसमें पब्लिक सेफ्टी को सबसे ऊपर रखा गया है। जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू किया जाएगा, जिसमें टिकटिंग, भीड़ को कंट्रोल करने और स्टेडियम में आने-जाने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा। ज़िम्मेदारी और जवाबदेही के साथ, हम आगे बढ़ रहे हैं।÷

शिवकुमार, जो कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (चस्ष्ट) के लाइफ़टाइम मेंबर हैं, ने ज़ोर देकर कहा कि पब्लिक सेफ्टी सबसे पहली प्राथमिकता रहेगी।

पाक की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर

लाहौर, एजेंसी

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है। अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया। भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया। मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है। वह एक भी मैच नहीं जिता सका है ।

इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है। इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है। यही हमारे साथ हुआ है। शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है।

पढ़े-लिखे हैं पाक के नये कप्तान आगा

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा टीम के अन्य खिलाड़ियों से काफी अलग अंजाज के लिए जाने जाते हैं। पाक के जहां अन्य क्रिकेटर काफी कम पढ़े-लिखे हैं वहीं आगा ने उच्च शिक्षा ली है। लाहौर के एक पंजाबी परिवार में जन्मे आगा ने खेल के साथ-साथ अपनी स्कूली शिक्षा भी पूरी की है। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई लाहौर के एक स्थानीय स्कूल से पूरी की। वह बचपन से ही पढ़ाई में औसत थे पर खेल के प्रति उनका रुझान जबरदस्त था. उन्होंने स्कूल के दिनों से ही अंडर-16 और स्कूल लेवल की क्रिकेट टीमों में अपनी जगह बना ली थी। पाक मीडिया के अनुसार

गा ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद कॉलेज में प्रवेश लिया था। उन्होंने इसके बाद अपनी डिग्री पूरी की। उन्होंने 'हायर

ओलिंपियन सुमित ने राजस्थानी सोनिका संग रचाई शादी

सोनीपत, एजेंसी

हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले भारतीय हॉकी ओलिंपिक मेडलिस्ट सुमित कुमार और राजस्थान की रहने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी सोनिका टांडी ने गुपचुप तरीके से शादी रचा ली है। दोनों करीब आठ साल से एक दूसरे को जानते थे। परिवारों की आपसी सहमति से दोनों ने उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित द ऑर्चिड ऋषिवन रिसोर्ट में सात फेरे लिए।इस शादी में कुछ खास बातें भी रही। पहली ये कि यह शादी पूरी तरह बिना दहेज संपन्न हुई। सुमित ने सगाई में केवल 1 रुपया लिया। दूसरी ये कि बारात के स्वागत के दौरान रिबन कटाई और जूते छिपाई की रस्म निभाई गई। इन रस्मों में सुमित ने अपनी सालियों को करीब डेढ़ लाख रुपए दिए।तीसरी बात ये कि शादी के अगले दिन ही सुमित हरियाणा से दिल्ली और फिर बेंगलुरु पहुंचे, जहां 7 से 12 फरवरी तक कैंप में प्रैक्टिस की। इसके बाद 12 फरवरी की रात को हॉकी लीग की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए, जहां फरवरी के अंतिम सप्ताह में प्रैक्टिस मैच खेले जाने हैं।इस समारोह में कुल करीब 70 लोग शामिल हुए, जिनमें लड़के पक्ष से 25 और लड़की पक्ष से 45 सदस्य मौजूद रहे। शादी की खबर सामने आने के बाद खेल जगत में हैरानी और खुशी का माहौल है। दोनों को साथी खिलाड़ियों और नाते-रिश्तेदारों ने जीवन की इस नई पारी की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं है।

पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, साल 2018 से दोनों अलग-अलग कैंप में प्रैक्टिस कर रहे थे। दोनों के कैंप आसपास ही थे। खेल के दौरान बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती में बदल गई। समय के साथ दोनों के बीच समझ बढ़ी और यह रिश्ता प्यार में बदल गया।दोनों ने तय किया कि परिवार की सहमति के बिना शादी नहीं करेंगे। बाद में परिवारों के बीच बातचीत हुई और सहमति बनने के बाद लव मैरिज, अरेंज मैरिज में बदल गई। दोनों परिवारों ने पहले ही योजना बनाई थी कि शादी सीमित स्तर पर की जाएगी और बाद में बड़े स्तर पर कार्यक्रम होगा। इसी कारण हरियाणा से बाहर ऋषिकेश के रिसोर्ट को चुना गया।4 फरवरी को मेहंदी, हल्दी और ?1 की सगाई~ इसके बाद दोनों परिवार 4 फरवरी को ऋषिकेश पहुंच गए और शादी की तैयारियां शुरू हो गईं। 4 फरवरी को मेहंदी और हल्दी की रस्में पूरी की गईं। इस दौरान हरियाणवी लोकगीतों के साथ पारिवारिक माहौल में रस्में निभाई गईं। इसी दिन सगाई की रस्म भी निभाई गई। सुमित के परिवार ने सगाई में मात्र एक रुपया स्वीकार किया।5 फरवरी दोपहर 1 बजे पहुंची बारात~ 5 फरवरी को दोपहर 1 बजे सुमित बारात लेकर रिसोर्ट के दूसरे हिस्से में सोनिका के द्वार पहुंचे। बारात का जोरदार स्वागत किया गया। शाम करीब 5बजे दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इसके बाद शाम 6 से 7 बजे के बीच सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने की कसमें खाईं।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कराची । कोलंबो । भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

व्यापार

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद: सेंसेक्स 650 पर पहुंचा, निफ्टी 211 अंक उछला

निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

129 रुपए पर सपाट लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली । आय फाइनेंस के आईपीओ के शेयर सोमवार को बीएसई और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 129 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुए। यह प्राइस आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के बराबर थी। निवेशकों की शुरुआती उम्मीदों के मुताबिक, शेयरों की लिस्टिंग सपाट रही। हालांकि लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयरों में गिरावट देखी गई। सुबह 10~14 बजे बीएसई पर यह 122 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे, जो 7 रुपये की कमी को दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। लिस्टिंग से पहले कंपनी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में करीब 127 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। इससे पता चलता है कि आईपीओ प्राइस के मुकाबले 1.55 प्रतिशत का हल्का डिस्काउंट था। आय फाइनेंस ने 5.5 करोड़ नए शेयरों का फ्रेश इश्यू जारी किया, जिससे करीब 710 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया। साथ ही, 2.33 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत लगभग 300 करोड़ रुपये में पेश किए गए।

2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया।

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था।

उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है। घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया।

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर, बुनकरों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली । बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा।

इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर लिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20ङ्क30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60ङ्क80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली । सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकटङ्कअमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानताङ्कअगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है। तीसरा, भू-राजनीतिक"।

रिपोर्ट दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

जनवरी 2026 में थोक और खुदरा महंगाई दर 1.81 प्रतिशत पर पहुंची

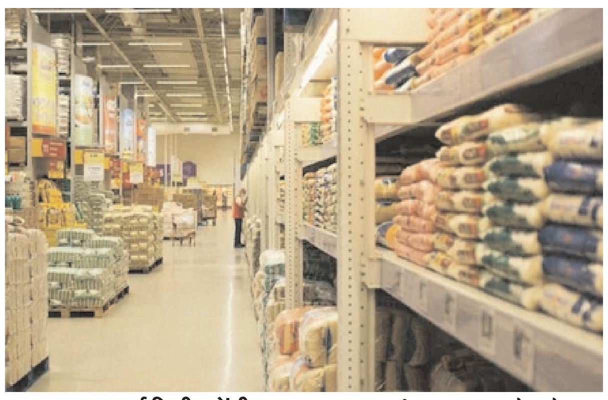

नई दिल्ली, एजेंसी

जनवरी 2026 में भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर सालाना आधार पर 1.81 प्रतिशत रही। यह जानकारी सोमवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान में दी गई। बयान में कहा गया है कि जनवरी में महंगाई बढ़ने के प्रमुख कारणों में बेसिक मेटल की कीमतों में इजाफा, मैन्युफैक्चरिंग और गैर-खाद्य उत्पादों की महंगाई, खाद्य वस्तुओं और टेक्सटाइल की बढ़ी हुई कीमतें शामिल हैं। खाद्य सूचकांक, जिसमें खाद्य पदार्थ और खाद्य उत्पाद शामिल हैं, दिसंबर 2025 में 196.0 से घटकर जनवरी 2026 में 194.2 हो गया। वहीं, पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई दर 1.41 फीसदी तक बढ़ी। डब्ल्यूपीआई में विनिर्माण समूह का वजन 64.23 फीसदी है। जनवरी में इस समूह की कीमतें 1.3 फीसदी बढ़ीं। 22 विनिर्मित उत्पाद समूहों में से 19 समूहों की कीमतों में वृद्धि देखी गई, जबकि तीन समूहों की कीमतें कम हुईं। महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख समूह हैं~ बेसिक मेटल निर्माण, खाद्य उत्पाद, वस्त्र, अन्य विनिर्माण व विद्युत उपकरण। वहीं कीमतों में गिरावट वाले समूहों में शामिल हैं~ दवाइयां, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद, मशीनरी और उपकरण एवं फर्नीचर।

भारत में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई दर जनवरी 2026 में सालाना आधार पर 2.75 प्रतिशत रही। यह नए बेस ईयर 2024 पर आधारित पहला आंकड़ा है, क्योंकि सरकार ने बेस ईयर को पहले 2012 से बदलकर 2024 कर दिया। दिसंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर 1.33 फीसदी थी, जो पुराने बेस ईयर पर आधारित थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई दर 2.73 फीसदी रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में 2.77 फीसदी दर्ज की गई। खाद्य महंगाई दर जनवरी में कुल 2.13 फीसदी रही, जिसमें ग्रामीण इलाकों में यह 1.96 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 2.44 फीसदी थी।

राष्ट्र को समर्पित
विजय मत
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com
भोपाल, मंगलवार, 17 फरवरी 2026

न्यूज इन शॉर्ट

बीएसएनएल दूरसंचार सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज

भोपाल। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के भोपाल व्यवसाय क्षेत्र की दूरसंचार सलाहकार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आज टी.टी. नगर स्थित प्रधान महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता भोपाल के सांसद आलोक शर्मा करेंगे। प्रात: 11 बजे से आयोजित होने वाली इस बैठक में समिति के अन्य सम्मानित सदस्यगण भी सहभागिता करेंगे। बैठक में भोपाल व्यवसाय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भोपाल, राजगढ़ एवं रायसेन जिलों में दूरसंचार सेवाओं के विस्तार, गुणवत्ता सुधार तथा नवीन तकनीकी सुविधाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। प्रधान महाप्रबंधक, भोपाल व्यवसाय क्षेत्र, महेंद्र सिंह धाकड़ बैठक में विभागीय गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत करेंगे। साथ ही क्षेत्र में उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सुझावों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में व्यवसाय क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे।

भारत की प्राचीनतम चिकित्सा विधा "आयुर्वेद" को आगे बढ़ाने की आवश्यकता : मंत्री परमार

भोपाल। उ'च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में, सोमवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बुरहानपुर की साधारण सभा की बैठक हुई। मंत्री परमार ने महाविद्यालयीन गतिविधियों, विकास कार्यों एवं आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। मंत्री परमार ने विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर, आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री परमार ने कहा कि स्वाभिमान के साथ, भारत की प्राचीनतम चिकित्सा विधा "आयुर्वेद" को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। मंत्री परमार ने कहा कि महाविद्यालयीन गतिविधियों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को समाजव्यापी बनाएं जिससे अधिक से अधिक आमजन आयुर्वेद चिकित्सा स्वास्थ्य लाभ ले सकें, इसके लिए मंत्री परमार ने महाविद्यालय की समस्त सुविधाओं के व्यापक प्रचार एवं प्रसार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय की गतिविधियों के अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार के लिए, स्थानीय स्तर पर सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रयास किए जाएं। महाविद्यालय की सफलताओं की कहानियों को प्रचारित करें और महाविद्यालय द्वारा दी जा रही समस्त सुविधाओं को आमजन तक प्रचारित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के किसानों ने माना आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और विधायक हरि सिंह सप्रे के नेतृत्व में विदिशा जिले के कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोठा के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंत्रालय में भेंट की। किसानों ने कोठा बैराज डैम परियोजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि इस परियोजना से क्षेत्र के लगभग 83 गांवों को सिंचाई सुविधा और 325 गांवों को पेयजल का लाभ प्राप्त होगा। ग्रामीणों द्वारा बैराज डैम पर लगभग 10 फीट ऊंचा पुल निर्माण कर वाहनों के आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

निगम द्वारा निरंतर की जा रही है जल परीक्षण, लीकेज सुधार एवं शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही

भोपाल। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने हेतु पानी की गुणवत्ता की जांच, लीकेज सुधार एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण संबंधी कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने सोमवार को विभिन्न झुग्गी बस्तियों सहित संपूर्ण शहर से जल के परीक्षण हेतु कुल 150 स्थानों से जल के नमूने लिये गये। निगम द्वारा 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से जल का परीक्षण किया जा रहा है। निगम अमले ने 38 स्थानों पर पाईप लाईनों के लीकेज सुधारे और सी.एम.हेल्पलाईन एवं महापौर हेल्पलाईन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में से 03 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण किया गया। महापौर मालती राय के निर्देश एवं निगम आयुक्त के आदेश पर नगर निगम, भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दलों ने शहर की झुग्गी बस्तियों सहित संपूर्ण शहर में कुल 150 जल के नमूने लेकर गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन, पीएच, टरबीडिटी व बैक्टेरिया की जांच 08 परीक्षण शालाओं के माध्यम से कराई जा रही है।

विकसित भारत@2047 के लक्ष्य में प्रदेश की होगी अहम भूमिका, 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य

आगामी 25 वर्ष में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रुपए करना है लक्ष्य: मुख्यमंत्री मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं विद्यान हैं। औद्योगिक निवेश प्राप्त करने, सोलर एनर्जी उत्पादन, कृषि उत्पादन सहित अनेक मामलों में मध्यप्रदेश, देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी क्षेत्रों के लिए 25 वर्षो का दृष्टिपत्र तैयार किया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अभी 1 लाख 55 हजार रुपए है। अगले 25 साल में इसे 22 लाख 50 हजार करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी है, लेकिन एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ (बैक बोन) है। राज्य सरकार एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में एक निजी मीडिया संस्थान के संपादक प्रफुल्ल केटकर के साथ चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का बेबाकी से उत्तर दिया। प्रदेश में लागू की 18 नई औद्योगिक नीतियों की विशेषताओं पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों तक भी पहुंचे, इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टर्स पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। माइनिंग, टेक्सटाइल, टूरिज्म सहित अनेक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं। नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स तैयार करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां उद्योग शुरू करने के लिए तेजी से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाले बनें, इसलिए स्वरोजगार और युवा उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिली है। होम-स्टे से पर्यटकों को सुविधा मिलने के साथ ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में बेरोजगारी दर तेजी से घट रही है। अब मध्यप्रदेश मात्र 1 से डेढ़ प्रतिशत बेरोजगारी दर वाला राज्य है।

नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में बन रहे आत्मनिर्भर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर आ चुका है। उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर मुरैना में सोलर एनर्जी का बड़ा प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। दोनों राज्य 6-6 महीने इससे निर्मित बिजली का उपयोग करेंगे। किसानों को सोलर पंप देकर बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। ग्रीनगो कंपनी ने आंध्र प्रदेश के बाद देश में दूसरा पंप स्टोरेज मंदसौर के गांधी सागर बांध में लगाया है, जिसे 2 साल की अल्प अवधि में पूर्ण किया गया है। मध्यप्रदेश पड़ौसी राज्यों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करते हुए जल बंटवारे, नदी जोड़ो अभियान और नशे के खिलाफ अभियान चला रहा है।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की समृध्दि का संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक कल्याण वर्ष में हमारा संकल्प है कि प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध हों। पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजनाओं को लागू कर रहे हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। राज्य का सिंचाई रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ा है, इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा अंचल के किसानों को भी लाभ मिला है।

प्रदेश के समग्र विकास को गति प्रदान करेगा बजट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत हो गई है। राज्य सरकार ने 5 साल में प्रदेश का बजट दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। आगामी 18 फरवरी को राज्य सरकार बजट पेश करेगी, जो प्रदेश के समग्र विकास को गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए शहरीकरण और औद्योगिकरण दोनों आवश्यक हैं। इंदौर और भोपाल में मेट्रोपोलिटन एरिया विकसित किए जा रहे हैं। सरकार ने पहले औद्योगिकरण पर जोर दिया, क्योंकि जब उद्योग स्थापित होंगे तो शहर भी विकास करते जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश 31 मार्च की डेडलाइन से पहले नक्सलवाद से मुक्त होने वाला पहला राज्य बना है। इस उपलब्धि में हमारी हॉक फोर्स और पुलिस के जवानों की अहम भूमिका रही है।

सीएचसी को एफआरयू के रूप में उन्नत करने के लिए मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास और चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में उन्नत करने के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि इन इकाइयों में चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय मैनपावर की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एफआरयू का सुचारू संचालन अत्यंत आवश्यक है।

चयनित मैनपावर की समयबद्ध जॉइनिंग के निर्देश

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चयनित हो चुके स्टाफ की जॉइनिंग प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि अस्पतालों में मानव संसाधन की कमी को दूर कर सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके।बैठक में स्वास्थ्य जांच की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रदेश की टेस्टिंग लैब्स के सुदृढ़ीकरण कार्यों पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और पैथोलॉजी सेवाओं के विस्तार हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बीएलओ से सीईओ तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं, सभी की भूमिका महत्वपूर्ण: पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त रावत

राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में वक्ताओं ने रखे विचार

विजय मत, भोपाल

बीएलओ से लेकर चीफ इलेक्शन ऑफिसर तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं। निर्वाचन में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत ने यह बात सोमवार को प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में कही। रावत ने वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि इस पर चर्चा 2015 में शुरू हुई थी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसमें सहमति व्यक्त की गयी थी।

राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी: रावत ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को लागू करने पर भी राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी होंगे। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव इनके माध्यम ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि वन नेशन-वन इलेक्शन का ड्राफ्ट जरूर मंजूर होगा। रावत ने माडल कोड ऑफ कंडक्ट के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। सिंह ने बताया कि ब्रिटेन में वर्ष 1928 में सभी को मताधिकार मिला

जबकि भारत ने स्वतंत्र होने के साथ ही सभी को मताधिकार (युनिवर्सल एडल्ट फ्रेंचाइज) दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने स्थानीय निर्वाचन में न्यायालीन सबक विषय पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत ग्रंथ है। उन्होंने निर्वाचन से संबधित कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोगों की पिछली बैठक में मध्यप्रदेश को राज्य निर्वाचन आयोगों का वर्ल्ड बैंक कहा गया। उन्होंने रावत, परशुराम, सिंह और सेठ के द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया। श्रीवास्तव ने कहा कि यह समारोह विशेष इसलिए भी है, क्योंकि सभी उपस्थित अतिथियों ने निर्वाचन की यात्रा को प्रेरणा और दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल टेक्नॉलोजी में परशुराम ने मध्यप्रदेश को पॉयनियर बना दिया है।

चुनाव, चुनाव होता है, चाहे वह लोकसभा का हो या पंचायत का

पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आर. परशुराम ने "स्थानीय निर्वाचन में सुधार की चुनौती" विषय पर कहा कि 'हर वोट-हर निकाय' महत्वपूर्ण है। परशुराम ने कहा कि चुनाव, चुनाव होता है, चाहे वह लोकसभा का हो या पंचायत का। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में प्रिपेयर, प्रिपेयर और प्रिपेयर के फार्मूले का हमेशा पालन करना चाहिए। नवीनतम तकनीकों के उपयोग से घबराना नहीं चाहिए। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग तुलनात्मक रूप से अधिक अधिकार संपन्न है। विभागाध्यक्ष दैनिक भास्कर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म नरेन्द्र कुमार सिंह ने "जमीनी लोकतंत्र में पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव " विषय पर 1952 के प्रथम लोकसभा निर्वाचन से लेकर वर्तमान लोकसभा निर्वाचन तक के अपने अनुभवों को साझा किया।

खजुराहो के पास दतला पहाड़ बनेगा अंतरराष्ट्रीय वेलनेस टूरिज्म

70 हेक्टेयर में होगा निजी भागीदारी से विकास, 100 करोड़ के कॉरिडोर को मंजूरी

विजय मत, भोपाल

खजुराहो की ऐतिहासिक पहचान के साथ अब छतरपुर जिले को पर्यटन के क्षेत्र में एक नई सौगात मिलने जा रही है। राजनगर तहसील के अंतर्गत चितरई गांव में स्थित दतला पहाड़ को मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड अंतरराष्ट्रीय स्तर के मल्टी-टूरिज्म और वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत दतला पहाड़ को ओरछा, पन्ना टाइगर रिजर्व और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोडक़र एक नए टूरिज्म कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। परियोजना के लिए करीब 70 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है, जिस पर लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य किया जाएगा। इसके लिए निजी निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं और परियोजना को डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण मॉडल पर लागू किया जाएगा। चयनित निजी कंपनी को भूमि 90 वर्षों की लीज पर दी जाएगी, जबकि पूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए पांच वर्ष की समय-सीमा तय की गई है।

इन सुविधाओं को किया जाएगा विकसित

इस परियोजना के तहत क्षेत्र में वेलनेस रिसॉर्ट, ईको-फ्रेंडली कॉटेज, एडवेंचर टूरिज्म गतिविधियां, योग और ध्यान केंद्र, ट्रेकिंग ट्रेल्स तथा प्रकृति आधारित पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे खजुराहो आने वाले पर्यटकों को नया अनुभव मिलेगा और उनके ठहरने की अवधि भी बढ़ेगी। पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से छतरपुर और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को नई रफ्तार मिलेगी। होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी सेवाएं, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और ग्रामीण रोजगार से जुड़े लोगों को सीधे और परोक्ष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

माही ठाकुर की सटीक गेंदबाजी से मप्र सीनियर वुमेन्स टीम जीती

पूजा वस्त्रकार ने बनाये 85 नाबाद रन

विजय मत, भोपाल

राजकोट में खेले गए सीनियर वुमेन्स वनडे ट्रॉफी के लीग मैच में माही ठाकुर (10 ओवर में 5 विकेट) की सटीक गेंदबाजी के चलते मध्यप्रदेश ने टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की है।

असम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 205 रनों पर ऑल आउट हो गई। असम की ओर से अमोन्तिका मुंडा ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। माही ठाकुर ने 5 और पूजा वस्त्रकार ने दो विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मप्र की लड़कियों ने 41 ओवर में मैच जीत लिया। पूजा वस्त्रकार ने नाबाद 85 रनों की पारी खेली। आयुषी शुक्ला ने 82 रन जोड़े। मध्यप्रदेश ने 7 विकेट से यह मैच जीत लिया। बता दें कि माही ठाकुर भोपाल की अटलबिहारी वाजपेयी क्रिकेट एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं हैं। कोच राम पाटोदिया ने माही के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं हैं।

पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया से मिले योजनाओं का लाभ - मंत्री चौहान

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई आयोजित

विजय मत, भोपाल

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराया जाए और छात्रावासों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कर विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड स्तर पर सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।मंत्री चौहान अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक ले रहे थे। बैठक में समिति के सदस्य जतारा विधायक हरिशंकर खटीक, पानसेमल विधायक श्याम बरडे, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण ई. रमेश कुमार और आयुक्त सौरभ के. सुमन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।विधायकगण द्वारा जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए गए।बैठक में अनुसूचित जाति बस्ती विकास,भवन विहीन छात्रावासों के निर्माण, छात्रावासों के रख-रखाव एवं अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण, विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति, स्वरोजगार योजनाएँ और सिविल सेवा प्रोत्साहन राशि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

नगरीय निकायों को कर संग्रहण में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहन राशि जारी

मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2.20 करोड़ की राशि की स्वीकृत

विजय मत, भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी %योजना क्रमांक 6602% के अंतर्गत स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को राजस्व संग्रहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल ?2.20 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्य प्रदेश द्वारा राज्य स्तर पर गठित विशेषज्ञ समिति ने निर्धारित कड़े मानदंडों और मूल्यांकन के आधार पर प्रदेश की 10 नगरपालिकाओं और 10 नगर परिषदों का चयन किया है। चयनित नगरपालिकाओं में खरगोन, सीहोर, मंदसौर, विदिशा, बैतूल, हरदा, बालाघाट, पांढुरना, बड़वानी एवं झाबुआ सम्मिलित हैं। इसी प्रकार, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नगर परिषदों में महेश्वर, बदनावर, राऊ, कसरावद, निवाड़ी, मुंदी, सैलाना, बिरसिंहपुर, पिपल्या मण्डी एवं सुवासरा को स्थान मिला है। आयुक्त भोंडवे ने बताया कि चयनित नगरीय निकायों को पूर्व में प्रोत्साहन राशि की प्रथम किस्त के रूप में ?55 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है। इसी श्रृंखला में, योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु उपलब्ध शेष ?55 लाख की राशि अब द्वितीय किस्त के रूप में संबंधित चयनित नगरीय निकायों को जारी की जा रही है। इस प्रोत्साहन राशि का मुख्य उद्देश्य नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना और कर संग्रहण की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं दक्षता लाना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997